https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

'कांग्रेस ने कभी भी किसान को मान नहीं दिया'

वर्ष-13, अंक-15 01-15 अगस्त, 2018 (पाक्षिक) ₹20

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विजय-यात्रा जारी रहेगी

विकास के प्रति विपक्ष की सोच नकारात्मक है

अविश्वास प्रस्ताव की तुच्छता

सरकार की पूर्वोदय परिकल्पना से पूर्व और पूर्वोत्तर में विकास की बयार

उज्जैन में आयोजित 'जन आशीर्वाद यात्रा' के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान व अन्य का स्वागत करते मध्य प्रदेश भाजपा नेतागण

उज्जैन में 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारम्भ के बाद जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

जयपुर में सोशल मीडिया वालंटियर्स की बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

अहमदाबाद में रथ यात्रा के अवसर पर 'प्रभु जगन्नाथ' का आशीर्वाद ग्रहण करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

'संपर्क फॉर समर्थन'

हैदराबाद में 'सम्पर्क फॉर समर्थन' के तहत श्री रामोजी राव से मिलते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

हैदराबाद में 'सम्पर्क फॉर समर्थन' के तहत साइना नेहवाल और उनके माता-पिता से मिलते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

मुंबई में 'सम्पर्क फॉर समर्थन' के तहत भारत रत्न लता मंगेशकर से मिलते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं: अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने राजस्थान के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मतदान सम्पन्न होने तक पार्टी के लिए दिन में 18 घंटे काम करने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा कि कार्यकर्ताओं को लोगों के ...

वैचारिकी

संस्कार से उत्पन्न होता है संस्कृति का भाव 15

श्रद्धांजलि

रामप्यारे पाण्डेय 17

लेख

अविश्वास प्रस्ताव की तुच्छता 21

सरकार की पूर्वोदय परिकल्पना से पूर्व और पूर्वोत्तर में विकास की बयार 22

अन्य

बाणसागर नहर परियोजना राष्ट्र को समर्पित 14

विकास के प्रति विपक्ष की नकारात्मक सोच है: नरेंद्र मोदी 18

प्रधानमंत्री ने आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया 24

जनजातीय समाज संवाद कार्यक्रम, झारखंड 25

'कांग्रेस ने कभी भी किसान को मान नहीं दिया' 26

'नए भारत के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका' 27

जेनरिक दवाइयों के क्षेत्र में भारत एक प्रमुख शक्ति 28

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नए मुख्यालय का शुभारंभ 29

स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से संवाद 30

'सौभाग्य योजना' के लाभार्थियों से संवाद 31

स्थायी स्तंभ

सोशल मीडिया से 04

व्यंग्य चित्र 04

08 कांग्रेस बताए उसने देश और मध्यप्रदेश को क्या दिया: अमित शाह

जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ समारोह अभिभूत कर देने वाला और अद्वितीय दृश्य था। गत 14 जुलाई को भगवान महाकाल के मंदिर...

10 नरेन्द्र मोदी जी ने पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस की शुरुआत की है: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 12 जुलाई को पटना के बापू सभागार में भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश शक्ति केंद्र...

12 88 सामानों पर जीएसटी में कटौती

जीएसटी परिषद ने 21 जुलाई को सैनिटरी नैपकिन समेत 88 सामानों पर 'माल एवं सेवा कर' (जीएसटी) में कटौती करने का निर्णय लिया...

13 मनरेगा के तहत 2018-19 की पहली तिमाही में 78 करोड़ कार्य दिवस सृजित

जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए मनरेगा के तहत वित्त वर्ष 2018-19 की पहली...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

क्या मेरा यह गुनाह है कि मैं गरीबों के लिए काम कर रहा हूं? क्या मेरा गुनाह यह है कि मैं भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ खड़ा हूं? मैं जनता की सेवा कर रहा हूं, कुछ लोग विश्वास-अविश्वास का खेल खेल रहे हैं। कुर्सी हासिल करने का खेल यूपी की जनता भली-भांति जानती है।

@AmitShah

दुनिया में सबसे पुरानी सभ्यता हमारी है, सबसे पहले लोकतंत्र ने हमारे देश में जन्म लिया। सदियों से भारत हर क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करता आ रहा है। भारत को पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन कराने के लिए देश के युवाओं का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में है।

@rajnathsingh

हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्मठता के साथ देश के हर वर्ग के लिए काम किया है। मैं यह बात पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार और हमारे नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीयत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

facebook

कांग्रेस के शहजादे श्री राहुल गांधी जी, आपने फिर साबित किया कि जनता आपको सीरियसली क्यों नहीं लेती। अब तो समझिए कि जनता को कांग्रेस पर अविश्वास क्यों है। देश की जनता की भावनाओं को समझिए, देश को आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास चाहिए, वंशवाद की गुलामी नहीं।

बिना तथ्यों के आरोप लगाकर आप सिर्फ सनसनी फैला सकते हैं श्रीमान राहुल गांधी जी। क्या आपको याद नहीं कि आजादी के बाद से कांग्रेस राज में इतने घोटाले हुए कि गिनना मुश्किल पड़ जाए। ज्यादा दूर क्यों जाते हैं, भूल गए 2014 में भ्रष्टाचार के आरोप में ही कांग्रेस को जनता ने उखाड़ फेंका था।

— रघुबर दास

केंद्र सरकार ने हमारी मांग को प्राथमिकता के आधार पर मानते हुए प्रदेश के किसानों एवं बागवानों के सुदृढीकरण हेतु विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए 1131.87 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। हिमाचल की समस्त जनता की ओर से आदरणीय मोदी जी का हार्दिक आभार। प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है।

— जयराम ठाकुर

व्यंग्य चित्र

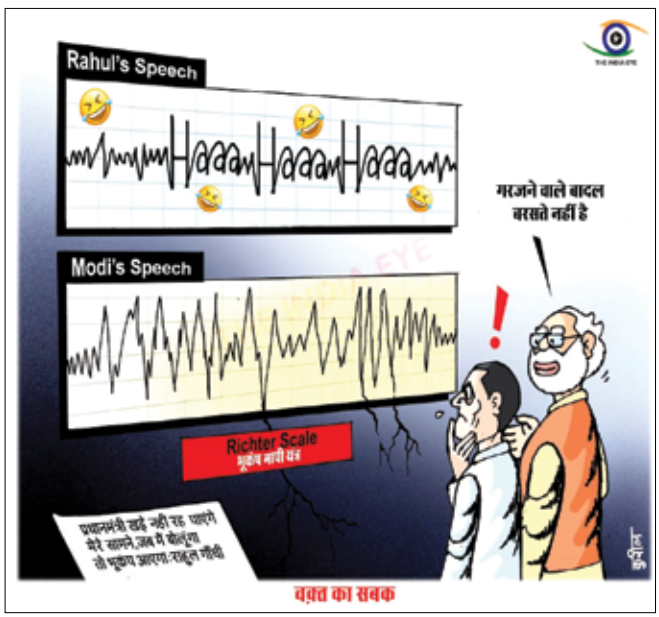

साभार : सोशल मीडिया

देश का विश्वास नरेन्द्र मोदी के साथ

जैसा कि पूर्वानुमान था, संसद में अविश्वास प्रस्ताव भारी मत से गिर गया। पूर्वानुमानों से भी बड़ी बात यह रही कि किसी ने सोचा नहीं था कि अंतर इतना बड़ा होगा। यदि कांग्रेस को पहले यह आभास हो जाता कि इस प्रस्ताव की यह दुर्गति होने वाली है, तब वह शायद सपने में भी इसके समर्थन को न सोचती। परिणाम यह हुआ कि विपक्ष की हालत और भी अधिक बदतर हुई तथा राजग अपनी शक्ति में भारी बढ़ोत्तरी करने में सफल हुआ। यह भी स्पष्ट हो गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में राजग को अपनी संख्या से भी अधिक समर्थन प्राप्त है। पूरे देश में प्रदेशों के चुनावों में हो रहे अपनी पराजय से कांग्रेस कोई भी सीख लेने को तैयार नहीं है और इसमें भी कोई संदेह नहीं कि अपनी इस हार से भी वह कोई सीख नहीं लेगी।

मोदी सरकार के विरुद्ध लाये गये अविश्वास प्रस्ताव में शुरू से ही कोई गंभीरता नहीं थी। सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का कोई ठोस आधार नहीं था। तेलुगु देशम पार्टी द्वारा लाये गये इस प्रस्ताव का दायरा केवल आंध्र प्रदेश तक सीमित था, पर कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों ने केवल राजनैतिक स्वार्थ में इसके समर्थन का निर्णय लिया। परन्तु कांग्रेस की उम्मीदों पर तब पानी फिर गया, जब वह सरकार के विरुद्ध कोई भी गंभीर मुद्दा न उठा पायी। जिन आधारहीन तर्कों पर कांग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन का प्रयास किया, वे सब थोथे साबित हुए। उनके पास कोई भी तर्कसंगत आरोप नहीं थे जिस कारण विपक्ष द्वारा इतना बड़ा कदम उठाना आवश्यक प्रतीत हो रहा था। यह न केवल संसद का वक्त जाया करना था, बल्कि पूरे देश के लिये समय की बर्बादी साबित हुई। देश को आज भी स्मरण है कि संसद का पिछला सत्र कांग्रेस की इस जिद्दी एवं तर्कहीन रवैये के कारण खराब हुआ था। आज जबकि पूरा देश कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को देख रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं कि इसका फल इसे जनता द्वारा नकारात्मक परिणामों के द्वारा ही मिलेगा।

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टिपूर्ण नीतियों से अब देश नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। देश की जनता का उनके नेतृत्व पर अटूट विश्वास है, जैसाकि संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार की भारी विजय से एक बार पुनः प्रमाणित हुआ।

संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस पर विपक्ष अपने आधारहीन तर्कों से पूरे देश में बेनकाब हो गया। राहुल गांधी के 'राफेल समझौते' पर झूठे आरोपों से कांग्रेस की बार–बार झूठ एवं फरेब की राजनीति के सामने माथे टेकने की बढ़ती प्रवृत्ति उजागर होती है। उनके द्वारा लगाये गये अन्य आरोप भी खोखले साबित हुए और वे कोई भी ठोस मुद्दा को उठाकर सरकार को घेरने में नाकामयाब रहे। अपने हास्यास्पद बयानों के साथ–साथ प्रधानमंत्री के गले लगकर, फिर आंख मारने से संसद की गरिमा को उन्होंने ठेस पहुंचाई। इस तरह की नाटकीयता भरी राजनीति से यही साबित होता है कि कांग्रेस को अब तक एक गंभीर नेतृत्व नहीं मिल पाया है जिसका वह वर्षों से बेचैनी से इंतजार कर रही है। कांग्रेस को समझना चाहिए कि इस तरह के ड्रामेबाजी से उसकी विश्वसनीयता जनता की आंखों में और भी अधिक कमजोर हुई है और यह हंसी की पात्र बन गई है।

एक ओर जहां विपक्ष ने अविश्वास प्रसताव के माध्यम से सरकार को घेरने का प्रयास किया, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर उनकी सरकार द्वारा गरीब, पिछड़े, वंचितों एवं कमजोर वर्गों के लिये किये जा रहे व्यापक परिवर्तन के कार्य देश के सामने रखा। उन्होंने देश को पुनः चल रहे व्यापक बदलाव एवं सुशासन एवं विकास के कार्य से अवगत कराया। लोगों को पता है कि दशकों तक कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, लूट एवं घोटाले, भाई–भतीजावाद एवं नीतिगत पंगुता से देश कितना पिछड़ गया। कांग्रेस के कुशासन एवं वंशवादी राजनीति से देश की बहुत हानि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टिपूर्ण नीतियों से अब देश नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। देश की जनता का उनके नेतृत्व पर अटूट विश्वास है, जैसाकि संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार की भारी विजय से एक बार पुनः प्रमाणित हुआ। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं: अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने राजस्थान के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मतदान सम्पन्न होने तक पार्टी के लिए दिन में 18 घंटे काम करने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा कि कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच जाकर काम करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की तरह दिन के 24 में से 18 घंटे काम करना होगा। श्री शाह ने 21 जुलाई को जयपुर के तोतूका भवन में प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करने के साथ ही सांसदों और विधायकों के साथ सीधा-संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि आज से विधानसभा चुनाव की मतगणना सम्पन्न होने तक नेताओं और कार्यकर्ताओं को मिलकर मेहनत करनी होगी।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही भाजपा की पहचान है। जोशीले कार्यकर्ताओं के बल पर ही चुनावी युद्ध जीता जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश भाजपामय हो गया है। देश में सबसे अधिक सांसद और विधायक भाजपा के हैं। कुछ राज्यों को छोड़कर पूरे देश में भाजपा की सत्ता है। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा को सत्ता का हक है, कांग्रेस अब खत्म हो चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस से कुप्रचार का जवाब तत्काल देने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में विपक्ष के पास भाजपा के खिलाफ बोलने के लिए कुछ भी नहीं है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव की चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि पूरे देश की नजर राजस्थान पर है। आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में प्रत्येक 5 साल में सरकार बदलने की धारणा को इस बार बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चुनाव जीतकर भाजपा की विजय यात्रा और देश की विकास यात्रा अनवरत जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाकर चुनाव जीता जा सकता है।

'जयपुर में बीजेपी की कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया। तुष्टीकरण पर केंद्रित कांग्रेस कभी भी विकास की राजनीति करनेवाली बीजेपी का विकल्प नहीं हो सकती है। दिन-रात एक कर, बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करके बीजेपी को अजेय बनाना हम सभी कार्यकर्ताओं का एक मात्र लक्ष्य होना चाहिए।'

- अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

चुनावी दौर आते ही कांग्रेस में सत्ता की लालसा इस कदर हावी हो जाती है कि वह रात को दिन और दिन को रात बताने का प्रयास करने लगते हैं, लेकिन इन साजिशों को रोकने के लिए अब हमारे कार्यकर्ताओं को तथ्यों के साथ कांग्रेस के दुष्प्रचार का जवाब देना होगा।

- वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री, राजस्थान

'आगामी विधानसभा चुनाव वसुंधरा राजे जी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 21 जुलाई को कहा कि राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। वह एक बार फिर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनेंगी।

उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभान्वितों के माध्यम से आम लोगों तक अपनी पहुंच बनाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि वसुन्धरा राजे की सरकार ने राजस्थान में बहुत काम किया है। भामाशाह योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान और गौरव पथ जैसी कई योजनाओं को देशभर में यश मिला है।

उन्होंने कहा कि इस बार राजस्थान में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की परम्परा टूटने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नकारात्मक राजनीति कर अफवाहें फैलाने का काम कर रही है। यह लोकतंत्र पर अघोषित हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी देश से अपना जुड़ाव महसूस नहीं कर सकते। कांग्रेस भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती। कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा खत्म हो गया है। अब तो कांग्रेस में भ्रष्टाचारियों का जमघट बचा है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि चुनाव में भाजपा एक बार फिर 200 में से 180 सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज आम आदमी खुश है।

इस दौरान भाजपा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन लाल सैनी ने संगठनात्मक जानकारी दी।

भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल, राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) श्री वी.सतीश, प्रदेश प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश माथुर, राष्ट्रीय महामंत्री श्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री विजय गोयल, श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश के सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और जिला अध्यक्षों के साथ वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। ■

जन आशीर्वाद यात्रा का भव्य शुभारंभ

कांग्रेस बताए उसने देश और मध्यप्रदेश को क्या दिया: अमित शाह

जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ समारोह अभिभूत कर देने वाला और अद्वितीय दृश्य था। गत 14 जुलाई को भगवान महाकाल के मंदिर में पूजा अर्चना कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चैहान के साथ समारोह के मंच पर पहुंचे तो भारी संख्या में मौजूद नागरिकों ने अबकी बार 200 पार के गगनभेदी नारे लगाए। यह अदभुत दृश्य देखकर श्री अमित शाह ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से ही विजय यात्रा बन गयी है। यह भाजपा का कार्यकर्ता ही कर सकता है कि तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बाद वह अपने 14 सालों का हिसाब देने जनता के बीच जाए। शिवराजजी ने मध्यप्रदेश की कायापलट कर रख दी है। अगले पांच साल में वे देश के सबसे श्रेष्ठ मुख्यमंत्री होंगे और मध्यप्रदेश सबसे अधिक विकसित राज्य बनेगा।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग मध्यप्रदेश में सरकार बनाने का सपना देख रहे है। उन्हें शायद यह पता नहीं है कि दो महाराज और एक धनपति के बूते सरकार नहीं बनती। सपना देखने वालों को इस बात का हिसाब देना पड़ेगा कि देश में 70 साल तक कांग्रेस और 55 साल तक एक ही परिवार का शासन रहा, फिर भी गरीब, किसान, मजदूर कराहता क्यों रहा। जो सरकार बनाने की उम्मीद लेकर घूम रहे हैं, वे यह भी बताए कि यूपीए की सोनिया और मनमोहन की पिछली 10 साल की सरकार ने मध्यप्रदेश को क्या दिया? श्री शाह ने बताया कि तेरहवें वित्त आयोग ने मध्यप्रदेश को 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपए दिए थे और आज भाजपा की सरकार केन्द्र में है, तब 3 लाख 44 हजार करोड़ रुपए की यह राशि हो गयी है। मुद्रा लोन, आवास और स्मार्ट सिटी योजना में भी प्रदेश को भरपूर मदद की गयी है। उन्होंने कहा कि शिवराजजी ने ऐसा कोई क्षेत्र नहीं छोड़ा है, जिसमें विकास नहीं हुआ हो।

श्री अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आंकड़ों को लेकर यात्रा के मैदान में उतरे और जनता को एक-एक योजना की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण आज हम केन्द्र सहित 19 राज्यों में सत्ता में है। देश के 70 प्रतिशत क्षेत्र पर कमल खिला हुआ है। मणिपुर और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी हमारे कार्यकर्ताओं के पसीने से आज हमारी सरकार है। जहां तक मध्यप्रदेश का प्रश्न है यह तो राजमाता जी और ठाकरे जी तपोभूमि है। यहां भाजपा को हराना असंभव है और यह भी तब

जब देश का सफलतम मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को मिला है। मध्यप्रदेश के वे दिन भी जा चुके हैं, जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार होती थी और राज्य में भाजपा की सरकार विकास के लिए उपर की ओर मुंह ताकती थी। आज ऊपर भी हमारी सरकार है और नीचे भी हमारी सरकार है, इसलिए अगले पांच साल में हम मध्यप्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बना देंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री राकेश सिंह और चुनाव अभियान समिति के प्रमुख श्री नरेन्द्रसिंह तोमर को महाविजय की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिन रात परिश्रम के लिए तैयार रहने का और 2018-2019 की विजय का संकल्प भी दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कांग्रेस और भाजपा सरकार के फर्क गिनाते हुए आक्रामक अंदाज में कहा कि कांग्रेस बताए कि अपने कार्यकाल में क्या किया था? और हमने जनता को क्या दिया? विकास योजनाओं के नाम गिनाकर जानना चाहा कि गरीबों के लिए संबल योजना गलत है? या गरीबों को मकान देने की योजना बेकार है? हमने गरीबों को सस्ती दर पर बिजली देने की योजना बनाई तो जो लोग इस निर्णय के खिलाफ न्यायालय में चले गए, वे बताएं क्या गरीबों को सस्ती दर पर बिजली नहीं मिलनी चाहिए? आज आधा घंटे के लिए बिजली जाना खबर होती है और कांग्रेस के जमाने में आधा घंटे के लिए बिजली आना खबर होती थी, यही फर्क है। सेना युद्ध के मैदान में खडी है, लेकिन कांग्रेस में सेनापति का पता तक नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे सोच में और कांग्रेस के सोच में बहुत फर्क है। यह सही है कि किसी भी बच्ची के साथ जो घटनाएं होती है वह बेहद पीड़ादायक होती हैं, लेकिन जो लोग ऐसी घटनाओं पर भी राजनीति करने से नहीं चूकते वह बताएं कि उन्होंने बेटियों की सुरक्षा के लिए अपने शासनकाल में क्या किया? मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यही फर्क है हमारी और आपके काम करने के तरीके में। आप हर बात पर सिर्फ और सिर्फ राजनीति करते हैं हमने बेटियों को सुरक्षा देने के लिए फांसी तक का कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास बोलने के लिए कुछ नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के मंदसौर आन्दोलन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो नेता मंदसौर में बड़ी-बड़ी बातें कर गए थे, उनको यह भी पता नहीं है कि मिर्ची नीचे की ओर लगती है कि ऊपर की ओर लगती है।

फर्क इस बात का है भी कि जो श्रीमान मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहते बंटाधार के नाम से प्रसिद्ध हुए उन्होंने नर्मदा से क्षिप्रा, कालीसिंध और गंभीर में पानी लाने की योजना पर कह दिया था इंपॉसिबल और हमने उसी नर्मदा जी का पानी क्षिप्रा तक पहुंचा दिया है और मालवा की एक-एक इंच जमीन को हरी-भरी बनाने का संकल्प लिया है, यही फर्क है। तुम 60-65 सालों में 7 लाख हेक्टेयर से अधिक जमीन सिंचित नहीं कर पाए, हमने 13-14 वर्षों में उसे 40 लाख हेक्टेयर कर दिया, यही फर्क है। कांग्रेस के जमाने में आधा घंटा बिजली आना खबर होती थी हमारे जमाने में आधा घंटा बिजली जाना खबर होती है यही फर्क है।

उन्होंने कहा कि हम अपने देश पर अभिमान करते हैं। अपने मध्यप्रदेश को स्वाभिमान की नजर से देखते हैं। यदि हमने कहा है कि अमेरिका से अच्छी सड़कें हमारे यहां हैं तो हमें इस बात पर गौरव है, लेकिन आपको अपने प्रदेश की बदनामी करने में गौरव होता है यही फर्क है। आप किसानों को 18 प्रतिशत ब्याज पर ऋण देते थे और हम जीरो प्रतिशत पर देते हैं, यह फर्क है। आप के समय खाद के लिए किसान को लाठियां खाना पड़ती थी और आज खाद 4 महीने पहले मिल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, यही फर्क है। फर्क यह है कि कांग्रेस की सरकार में फसलों का बीमा नहीं मिलता था, दुर्घटना में किसी की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो जाती थी, तो उसका परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता था, लेकिन हमने फसल बीमा के पुख्ता इंतजाम किए हैं और संबल योजना के तहत दुर्घटना में या सामान्य मृत्यु पर भी परिवार को आर्थिक सहारा देने की ठोस योजना बनाई है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री राकेश सिंह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्य से देश और दुनिया को चमत्कृत कर दिया है। सबका साथ सबका विकास को लेकर वे आगे बढ़े है और पूरे देश

पर छा गए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में देश भ्रष्टाचार के चरम पर था, आज दुनिया में भारत सम्मान के शिखर पर है।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री और चुनाव अभियान समिति के प्रमुख श्री नरेन्द्रसिंह तोमर, श्री थावरचन्द गहलोत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सांसद व प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रभात झा, सांसद श्री नंदकुमारसिंह चौहान, श्री चिंतामण मालवीय, श्री मनोहर उंटवाल, श्री वीरेन्द्र खटीक, श्री विक्रम वर्मा, डॉ. सत्यनारायण जटिया, प्रदेश शासन के मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, श्री पारस जैन, श्री रामपाल सिंह, श्री उमाशंकर गुप्ता, श्री जयंत मलैया, श्रीमती माया सिंह, श्रीमती अर्चना चिटनीस, डॉ. नरोत्तम मिश्रा, श्री नारायण सिंह कुशवाह, श्री विश्वास सारंग, श्री लालसिंह आर्य, श्री राजेन्द्र शुक्ल, श्री शरद जैन, श्री बालकृष्ण पाटीदार, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुहास भगत, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अरविन्द भदौरिया, प्रदेश महामंत्री श्री विष्णुदत्त शर्मा, जिला अध्यक्ष श्री इकबाल सिंह गांधी, श्री श्याम बसंल मंचासीन थे।

नरेन्द्र मोदी जी ने पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस की शुरुआत की है: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 12 जुलाई को पटना के बापू सभागार में भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश शक्ति केंद्र प्रभारियों को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से एकजुट हो विपक्ष की नकारात्मक राजनीति और दुष्प्रचार को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। इसके पूर्व उन्होंने ज्ञान भवन, पटना में सोशल मीडिया वालंटियर्स का मार्गदर्शन किया। पटना आगमन के तुरंत पश्चात् श्री शाह राजधानी के राजकीय अतिथिशाला में प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं एनडीए के अन्य वरिष्ठ नेताओं से जलपान पर मुलाक़ात की। इसके अतिरिक्त उन्होंने ज्ञान भवन में पार्टी विस्तारकों के साथ समीक्षा बैठक भी की।

बिहार की पवित्र एवं महान धरा का वंदन करते हुए श्री शाह ने कहा कि विश्व को लोकतंत्र की सीख देने वाली धरती बिहार है, यह भगवान् गौतम बुद्ध और महावीर की भूमि है, महान चन्द्रगुप्त, चाणक्य और प्रियदर्शी अशोक की भूमि है, विद्या की उपासना और संस्कार की शिक्षा की शुरुआत भी नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय के रूप में बिहार से ही हुई। उन्होंने कहा कि बिहार देश के प्रथम राष्ट्रपति श्री राजेन्द्र बाबू, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण और जननायक कर्पूरी ठाकुर की भूमि हैं, जिन्होंने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि देश में यदि सबसे पहले कांग्रेस मुक्त भारत के अभियान की शुरुआत कहीं से हुई तो वह बिहार से ही हुई। देश पर कांग्रेस के दमन चक्र "आपातकाल" के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाने और देश से कांग्रेस के तानाशाही शासन को उखाड़ फेंकने की शुरुआत भी श्री जयप्रकाश नारायण बाबू के नेतृत्व में बिहार से ही हुई।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार सालों में देश की दशा और दिशा बदलते हुए देश के सोचने के स्केल को ऊपर उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की राजनीति को विकास की धुरी पर लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की राजनीति में से जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण को ख़त्म कर पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस और गरीबों के कल्याण की राजनीति की शुरुआत की है, यही कारण है कि 2014 के बाद देश में हुए लगभग सभी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है और कांग्रेस हारी है।

पार्टी के नींव सरीखे कार्यकर्ताओं का हृदय की गहराइयों से अभिनंदन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो विचारधारा के आधार पर

चलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी कुनबे या परिवार की पार्टी नहीं है, यह विचारधारा के आधार पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि 1950 से अब तक की हमारी विकास की यात्रा पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं के त्याग, समर्पण, बलिदान और लहू से लिखी गई यात्रा है, जिन्होंने अपने जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण पार्टी के विस्तार और विचारधारा के प्रसार के लिए अर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक सरीखे राज्यों में आज भी हमारे कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या की जा रही है, उन पर जुल्म ढाए जा रहे हैं लेकिन हम एकजुट हो देश के विकास के लिए आगे बढ़ रहे हैं और ऐसी शक्तियों को परास्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण का ही परिणाम है कि 10 सदस्यों से शुरू हुई पार्टी आज 11 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है और देश के 19 राज्यों में हमारी सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि 2019 में पुनः भारी बहुमत के साथ देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मोदी सरकार के चार सालों के कामकाज पर पूछे गए सवाल पर पलटवार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी पहले अपनी चार पीढ़ियों के कार्यकाल का हिसाब देश की जनता को दें, वे बताएं कि कांग्रेस पार्टी ने देश पर 55 सालों तक शासन करने के बावजूद देश के लिए क्या किया, देश की जनता इसका इसका जवाब जानना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में देश का हर मंत्री प्रधानमंत्री मानता था और

पीएम को तो कोई पीएम समझता ही नहीं था, हर विभाग में पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति थी, अर्थव्यवस्था के सारे पैरामीटर नीचे की ओर जा रहे थी, युवाओं में हताशा और आक्रोश का माहौल था, यूपीए के 10 सालों में 12 लाख करोड़ रुपये के घपले-घोटाले हुए और ऐसी परिस्थिति में देश की जनता के श्री नरेन्द्र मोदी में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी को सरकार बनाने का मौक़ा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने पिछले चार सालों में देश को भ्रष्टाचार-मुक्त, निर्णायक एवं पारदर्शी सरकार देने का काम किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों के कारण देश के लगभग 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों के जीवन में एक नई आशा और उत्साह का संचार हुआ है और उन्हें आजादी के बाद पहली बार महसूस हो रहा है कि केंद्र में उनके लिए काम करने वाली सरकार है।

राहुल गांधी पर करारा प्रहार जारी रखते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के दौरान चार सालों में लगभग 31 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक अकाउंट खोलकर उन्हें देश के अर्थतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ा गया, लगभग साढ़े तीन करोड़ से अधिक माताओं को गैस सिलिंडर उपलब्ध कराये गए, लगभग साढ़े सात करोड़ परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराये गए और बिजली से वंचित सभी 19 हजार गांवों का विद्युतीकरण किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2022 तक हर व्यक्ति को घर देने का लक्ष्य रखा है, जबकि लगभग दो करोड़ लोगों को घर देने का काम पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2022 तक हर घर में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया जबकि इसमें से दो करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है। राहुल गांधी से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि राहुल जी, अब आप जवाब दीजिये कि आजादी से अब तक लगभग 55 साल तक आपके परिवार ने देश में शासन किया लेकिन आखिर क्यों देश की जनता विकास को तरसती रही, क्यों स्कूल नहीं खुले, क्यों टीकाकरण नहीं हुआ, आपको 55 सालों का हिसाब देश की जनता को देना चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने चार सालों के अपने कार्यकाल में बिहार के विकास को काफी प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 सालों में बिहार के विकास के लिए जितना काम नहीं हुआ, उससे अधिक कार्य मोदी सरकार ने 4 सालों में करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोनिया-मनमोहन की यूपीए सरकार के 10 वर्ष के शासनकाल में 13वें वित्त आयोग के तहत बिहार को केवल 1 लाख 93 हजार करोड़ रुपये दिए गए, जबकि 14वें वित्त आयोग में मोदी सरकार द्वारा राज्य को 4 लाख 33 हजार 803 करोड़ रुपये अर्थात ढाई गुना ज्यादा आवंटित किये गए।

श्री शाह ने कहा कि बिहार के मुद्रा बैंक लाभार्थियों को 37 हजार करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 181 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1,1056 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए 45 करोड़ रुपये, नीली क्रांति के तहत 24 करोड़ रुपये, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 260 करोड़ रुपये, अमृत मिशन के लिए 1,165 करोड़ रुपये, हृदय योजना के लिए 40 करोड़ रुपये, स्वच्छ गंगा मिशन के लिए 270 करोड़ रुपये, साइल हेल्थ कार्ड के लिए 15 करोड़ रुपये, राहत कोष के लिए 700 करोड़ रुपये, शहरी परिवहन विकास के लिए 67 करोड़ रुपये, पर्यटन विकास के लिए 98 करोड़ रुपये, आईओसीएल रिफायनरी के उन्नयन के लिए 550 करोड़ रुपये, राजमार्गों के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये और अन्य राजमार्गों के विकास के लिए 2,700 करोड़ रुपये, स्मार्ट सिटी भागलपुर के लिए 189 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

विपक्षी एकता के खोखले दावों पर पलटवार करते हुए श्री शाह ने कहा कि 2014 के चुनाव में ममता बनर्जी, लालू यादव, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, अखिलेश यादव, मायावती, देवगौड़ा सब हमारे खिलाफ ही लड़े थे, लेकिन उस वक्त भी हमने इन्हें हराया था, 2019 में भी हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में महागठबंधन को धूल चटाने के लिए तैयार हैं। यूपी के राजनीतिक परिदृश्य पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भले ही उत्तर प्रदेश में सारा विपक्ष एक हो जाए, लेकिन अगले लोक सभा चुनाव में हमारी सीटें 73 से 74 होंगे, 72 नहीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों के कारण देश के लगभग 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों के जीवन में एक नई आशा और उत्साह का संचार हुआ है और उन्हें आजादी के बाद पहली बार महसूस हो रहा है कि केंद्र में उनके लिए काम करने वाली सरकार है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को बिहार की चालीस की चालीस लोकसभा सीटें जीतने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में जो विकास की यात्रा चली है, इसे 2019 में भी आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2019 में पुनः भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने वाली है, इसमें कोई संशय नहीं। ■

88 सामानों पर जीएसटी में कटौती

सैनेटरी नैपकिन, राखी, टीवी-फ्रिज, बिजली के घरेलू सामान, एथनाल, जूते-चप्पल होंगे सस्ते

जीएसटी परिषद ने 21 जुलाई को सैनिटरी नैपकिन समेत 88 सामानों पर 'माल एवं सेवा कर' (जीएसटी) में कटौती करने का निर्णय लिया। जीएसटी के बारे में निर्णय करने वाले इस सर्वोच्च निकाय ने इसके अलावा टीवी, फ्रिज वॉशिंग मशीन तथा बिजली से चलने वाले कुछ घरेलू उपकरणों और अन्य उत्पादों पर भी कर की दरें कम की हैं।

वित्त मंत्री श्री पीयूष गोयल ने जीएसटी परिषद की 28वीं बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि सैनिटरी पैड से जीएसटी कर की दर को 12 प्रतिशत से कम करके शून्य कर दिया गया है। राखी को भी जीएसटी से छूट दे दी गयी है। जिन अन्य उत्पादों पर जीएसटी की दर कम की गयी हैं, उनमें जूते-चप्पल (फुटवियर), छोटे टीवी, पानी गर्म करने वाला हीटर, बिजली से चलने वाली इस्त्री (आयरनिंग) मशीन, रेफ्रिजरेटर, लीथियम आयन बैटरी, बाल सुखाने वाले उपकरण (हेयर ड्रायर), वैक्यूम क्लीनर, खाद्य उपकरण और एथनॉल शामिल हैं।

श्री गोयल ने कहा, "जीएसटी परिषद ने कई उत्पादों पर कर में कटौती की है। राखी को जीएसटी से छूट दी गयी है, एथनॉल पर कर को कम करके 5 प्रतिशत किया गया और दस्तकारी के छोटे सामानों को कर से छूट दी गयी है।" निर्माण क्षेत्र के काम आने वाले तराशे हुये कोटा पत्थर, सैंड स्टोन और इसी गुणवत्ता के अन्य स्थानीय पत्थरों पर जीएसटी की दर को 18 से घटाकर 12 प्रतिशत किया गया है।

एक हजार रुपये मूल्य तक के जूते-चप्पल पर अब 5 प्रतिशत का कर लगेगा। पहले यह रियायती दर केवल 500 रुपये मूल्य के जूते-चप्पल पर लागू थी। मध्यम वर्ग द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले 17 उत्पादों जैसे पेंट्स, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, वैक्यूम क्लीनर, पानी गर्म करने वाला हीटर, 68 सेमी तक के टीवी पर कर की दर को 28 प्रतिशत से कम करके 18 प्रतिशत किया गया है। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक 4 अगस्त को होनी है। ■

भारत बना दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

फ्रांस को पीछे छोड़ा

भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वर्ल्ड बैंक द्वारा हालिया जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 130 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले भारत ने फ्रांस को हटाकर यह उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, फ्रांस की 2582 अरब डॉलर सकल घरेलू आय (जीडीपी) की तुलना में भारत की जीडीपी 2597 अरब डॉलर हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई तिमाही गिरावट झेलने के बाद जुलाई 2017 से देश की आर्थिक विकास दर बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नोटबंदी और पिछले साल 1 जुलाई से लागू हुई जीएसटी व्यवस्था के बाद मैन्युफैक्चरिंग और लोगों की क्रय शक्ति बढ़ने से मुख्य रूप से यह उछाल आई है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मोदी सरकार की तरफ से शुरू किए गए रिफॉर्म्स ने सूरत बदली और अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिली है। विश्व बैंक के मुताबिक संपूर्ण रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज विकास किया है। पिछले 10 साल में भारत की जीडीपी का आकार दोगुना हुआ है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार इस वित्तीय वर्ष (2018-19) में भारत की जीडीपी 7.4 फीसदी और 2019 में इसके 7.8 फीसदी रहने के अनुमान हैं। शीर्ष अर्थव्यवस्था वाले देशों की सूची में अमेरिका पहले नंबर पर काबिज है। इसके बाद चीन, जापान और जर्मनी का नंबर आता है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2032 तक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था वाला देश बन जायेगा। ■

मनरेगा के तहत 2018-19 की पहली तिमाही में 78 करोड़ कार्य दिवस सृजित

जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए मनरेगा के तहत वित्त वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में 78 करोड़ कार्य दिवस सृजित किए गए। साथ ही मजदूरी भुगतान और मुआवजा भुगतान में पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गौरतलब है कि नरेगासॉफ्ट 15 दिन के अंदर मजदूरी भुगतान कराने को लेकर निगरानी रखता है। भुगतान में वर्ष 2013-14 में 34 प्रतिशत से बढ़कर मौजूदा वित्त वर्ष में उल्लेखनीय तौर पर 93 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2017-18 में यह 85 प्रतिशत था।

वित्तीय वर्ष	सृजित कार्य दिवस (करोड़ में)
2012-13	230.45
2013-14	220.36
2014-15	166.2
2015-16	235.14
2016-17	235.6
2017-18	234.26
2018-19 (अब तक)	78

मौजूदा वित्त वर्ष में ईमानदार और प्रभावी निरीक्षण की वजह से 15 दिन के भीतर लाभार्थियों के खाते में 70 फीसदी भुगतान पहुंच चुके हैं। सरकार समय से भुगतान कराने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल्स (एसओपी) जैसे कई कदम उठा रही है। केन्द्र और राज्य सरकारों की कोशिशों के बाद वर्ष 2016-17 में लेन-देन रद्द करने की 16 फीसदी की दर अभी घटकर 2 फीसदी से नीचे आ गई है। कार्यक्रम के तहत खर्च में बढ़ोत्तरी की जा रही है, जो नीचे की सारणी से स्पष्ट है।

वित्तीय वर्ष	कुल खर्च (रुपया करोड़ में)
2015-16	44002.59
2016-17	58062.92
2017-18	64029.74
2018-19 (अब तक)	21888.68

पिछले वर्षों की तुलना में भुगतान की गई मुआवजा राशि में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2014-15 से लेकर आज तक 83.45 करोड़ रुपये बतौर मुआवजा दिए गए। इसके अलावा समय से मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और मजदूरी भुगतान से संबंधित बाधाओं को दूर करने के उपाय करने के लिए मंत्रालय ने 5 राज्यों के प्रतिनिधियों, विभिन्न बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था (पीएफएमएस) की एक समिति गठित की है। समिति ने लगातार बैठक करना शुरू कर दिया है। नरेगासॉफ्ट को और उन्नत किया जा रहा है और समय से भुगतान के लिए मंत्रालय ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल्स (एसओपी) को मंजूरी दी है।

सरकार का सामाजिक लेखा परीक्षण पर काफी जोर है। 26 राज्यों ने सामाजिक लेखा परीक्षण ईकाइयां स्थापित की हैं और इन ईकाइयों में लगभग 4500 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। लेखा परीक्षण के मानक सीएजी के साथ मिलकर बनाए गए हैं। शिकायतों के निवारण के लिए राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2012 से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल्स (एसओपी) का इस्तेमाल हो रहा है।

दरअसल, सरकार का सामाजिक लेखा परीक्षण पर काफी जोर है। 26 राज्यों ने सामाजिक लेखा परीक्षण ईकाइयां स्थापित की हैं और इन ईकाइयों में लगभग 4500 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। लेखा परीक्षण के मानक सीएजी के साथ मिलकर बनाए गए हैं। शिकायतों के निवारण के लिए राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2012 से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल्स (एसओपी) का इस्तेमाल हो रहा है। ज्यादातर राज्यों में हितधारकों की शिकायतें दूर करने के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइंस शुरू किए गए हैं। गौरतलब है कि मनरेगा के तहत काम की भारी मांग है और सरकार कामकाज की मांगें पूरी करने और मजदूरी का समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाणसागर नहर परियोजना राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जुलाई को मिर्जापुर में बाणसागर नहर परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। यह परियोजना क्षेत्र में सिंचाई को बढ़ावा देगी तथा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर एवं इलाहाबाद जिलों किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिर्जापुर चिकित्सा महाविद्यालय का शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य में 100 जन औषधि केंद्रों का भी उद्घाटन किया। उन्होंने चुनार के बालुघाट में गंगा नदी पर बने एक पुल को भी राष्ट्र को समर्पित किया, जो मिर्जापुर एवं वाराणसी के बीच संपर्क सुगम बनाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मिर्जापुर क्षेत्र में असीमित क्षमता छुपी हुई है। उन्होंने सौर संयंत्र के उद्घाटन के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति मैरॉन के साथ मिर्जापुर की अपनी पिछली यात्रा का स्मरण किया।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं कार्यों का उल्लेख किया जिसका उन्होंने पिछले दो दिनों के दौरान या तो उद्घाटन किया है या शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि बाणसागर परियोजना की अवधारणा लगभग चार दशक पहले बनाई गई थी और 1978 में इसका शिलान्यास किया गया था, लेकिन इस परियोजना में बेवजह काफी देरी होती गई। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद इस परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का एक हिस्सा बना दिया गया और इसे पूर्ण करने

के सभी प्रयास किए गए।

केंद्र सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में हाल में की गई बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने जन औषधि केंद्रों सहित, निर्धनों को किफायती स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन रोगों को नियंत्रित करने में भी प्रभावी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा योजना- 'आयुष्मान' भारत शीघ्र ही कार्यान्वित की जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार की अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं के बारे में भी उल्लेख किया। ■

नोएडा में मोबाइल उत्पादन यूनिट का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति श्री मून जेई-इन ने 9 जुलाई को नोएडा में सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की एक विशाल मोबाइल उत्पादन यूनिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इसे भारत को एक वैश्विक विनिर्माण हब (केन्द) बनाने की यात्रा में एक विशेष मौका बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 5000 करोड़ रुपये के निवेश से न केवल भारत के साथ सैमसंग के कारोबारी संबंध सुदृढ़ होंगे, बल्कि यह भारत और कोरिया के बीच संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने यह बात रेखांकित की कि डिजिटल प्रौद्योगिकी आम आदमी के जीवन को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसमें त्वरित एवं अधिक पारदर्शी सेवा डिलीवरी का योगदान भी शामिल है। उन्होंने स्मार्ट फोन, ब्रॉडबैंड और डेटा कनेक्टिविटी के विस्तारीकरण का उल्लेख करते हुए इसे भारत में एक डिजिटल क्रांति के संकेत के रूप में वर्णित किया। इस संदर्भ में उन्होंने सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जेम), डिजिटल लेन-देनों में वृद्धि, भीम एप और रुपे कार्डों के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल केवल एक आर्थिक नीतिगत उपाय ही नहीं है, बल्कि मित्र देशों जैसे कि दक्षिण कोरिया के साथ बेहतर संबंध सुनिश्चित करने का एक संकल्प भी है। उन्होंने कहा कि विश्व भर के उन सभी कारोबारियों के लिए खुला निमंत्रण है, जो 'नए भारत' की पारदर्शी कारोबारी संस्कृति से लाभ उठाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और उभरते नव मध्यम वर्ग की बदौलत अपार निवेश संभावनाएं सृजित हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने यह बात रेखांकित की कि भारत अब मोबाइल फोन के उत्पादन क्षेत्र में विश्व स्तर पर दूसरे पायदान पर है। यही नहीं, भारत में लगभग चार वर्षों की अवधि में मोबाइल फोन की उत्पादन इकाइयों या फैक्टरियों की संख्या महज 2 के आंकड़े से बढ़कर अब 120 के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के लाखों अवसर सृजित हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने विशेष जोर देते हुए कहा कि इस नई मोबाइल उत्पादन यूनिट के जरिए कोरियाई प्रौद्योगिकी और भारतीय विनिर्माण एवं सॉफ्टवेयर सहयोग का यह संयोजन पूरी दुनिया के लिए उत्कृष्ट उत्पाद उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इसे दोनों ही देशों की ताकत और साझा विजन के रूप में वर्णित किया। ■

संस्कार से उत्पन्न होता है संस्कृति का भाव

दीनदयाल उपाध्याय

राष्ट्र, धर्म, संस्कृति-ये शब्द चिर-परिचित होते हुए भी इनकी व्याख्या भ्रम के कारण अनेक तरह की बनी है। यह भी सच है, सरल विषय की व्याख्या सदैव कठिन रहती है। शायद इसलिए लोगों को इनके बारे में कई विचार प्रस्तुत करने का अवकाश मिलता है। कई बार योजनानुसार भी ग़लत विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। कई बार ख़राब चीज़ों को अच्छे नाम से जनता के सामने रखा जाता है, जैसेकि वनस्पति घी। वह तो साफ़ किया हुआ तेल है, लेकिन घी के नाम पर प्रचार किया जाता है। 'साफ़ हुआ तेल' ऐसा कहकर यदि वे बेचते तो वह एक अच्छी बात होती। जब एक मित्र से इसके बारे में पूछा, तो वह कहने लगा कि तेल कहने से कोई काम नहीं होता। ऐसे ही बिस्कुट बनाने वाले घी से बनाते हैं, ऐसे कहते हैं। शुद्ध या अशुद्ध इसके बारे में बोलना नहीं।

राष्ट्र के बारे में भी यह चल रहा है। राष्ट्र के बारे में जनता में एक तरह का प्रेम है, इसलिए उसके नाम पर कुछ भी चलाते हैं। हिंदू, क्रिश्चियन आदि सभी को राष्ट्रीय कहते हैं, प्रादेशिक राष्ट्रवाद (Territorial Nationalism) की बात चलती है। अकबर को भी राष्ट्रीय महापुरुष कहा जाता है।

वैसे ही संस्कृति है। संस्कृति अच्छी है, सभी मानते हैं। इसलिए कई चीजों को संस्कृति के नाम पर चलाते हैं; जैसे नाचना, गाना और लोग भी समझते हैं कि यही संस्कृति है। एक सज्जन से जब कहा गया कि संघ सांस्कृतिक कार्य करता है तो उसने कहा, 'क्या बात कहते हैं? नाच-गाना, थियेटर आदि कभी हमने संघ में नहीं देखे। कबड्डी खेलना, संचलन (Marching) यह क्या संस्कृति है। तो मैंने पूछा, 'आप नाचने को संस्कृति क्यों कहते हैं?' इसलिए कि वहां ताल के अनुसार पांव पड़ते हैं और कर विन्यास भी एक नियम के अनुसार होता है। तो उन्होंने मान लिया। तो मैंने कहा कि हमारे यहां भी संचलन में सभी के पैर एक ही ताल पर पड़ते हैं, योग व्यायाम में सभी के हाथ ताल के अनुसार ही चलते हैं। माने संस्कृति के बारे में लोगों में स्पष्ट कल्पना नहीं है। नाच-गाने को संस्कृति समझते हैं और प्रचार भी चलता है। इसी कल्पना से हमारे यहां से सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल दूसरे देशों को भेजे जाते हैं। विदेश के लोग जिनमें वैसी संस्कृति भी नहीं है, कह बैठते हैं कि यही आपकी संस्कृति है क्या?

यही संस्कृति होती तो तन-मन-धनपूर्वक आजीवन हम सांस्कृतिक कार्य करेंगे, ऐसा कहने की आवश्यकता नहीं होती। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए चौबीसों घंटे काम करने की आवश्यकता नहीं रहती।

अब हम संस्कृति के बारे में सोचने लगेंगे तो हमें मालूम होगा कि यह शब्द प्राचीन साहित्य में आज के अर्थ में नहीं मिलता है। शायद धर्म शब्द से तब सब कुछ चलता होगा, लेकिन हमें संस्कार शब्द और प्रकृति-यह शब्द भी वहां मिलते हैं। ये दोनों शब्द संस्कृति के साथ निकटता से संबद्ध हैं, ऐसा लगता है।

प्रकृति हर एक की भिन्न रहती है। प्रत्येक की एक प्रकृति रहती है। (उसे चाहे स्वभाव कहें, फिर भी वह ठीक अर्थ नहीं) हम समझते हैं कि वह ईश्वर की देन है और जो परमेश्वर को मानते हैं, वे उसे ही अंतिम सत्य मानते हैं। जैसे हम ब्रह्म और माया को अनंत सत्य मानते हैं। इसके बारे में भी भिन्न-अभिप्राय है ही, लेकिन हम समझते हैं कि प्रकृति ईश्वर की ओर से ही प्राप्त होती है और उसमें विविधता भी दिखाई देती है। उसके भी कुछ नियम हैं। उन नियमों के अनुसार ही प्रकृति की देन के रूप में ही मनुष्य को भौतिक शरीर प्राप्त होता है। इसके नियमों में परिवर्तन करना मनुष्य के लिए असंभव है। प्रकृति का दूसरा लक्षण विविधता है। जितने प्रकार के मनुष्य हैं, उतनी प्रकार की प्रकृतियां दिखाई देती हैं। प्राणियों में भी विविधता है, वनस्पतियों में भी दिखाई देती है। एक कवि ने आश्चर्य से कहा कि इसका पता नहीं लगता है कि परमात्मा के पास कैसी कैंची है, क्योंकि कोई भी एक पत्ता दूसरे के समान नहीं है। कोई भी व्यक्ति एक-दूसरे की तरह नहीं है। दूर से एक समान भले ही क्यों न दिख पड़े। जैसे हमें सभी अंग्रेज़ एक समान दिखते हैं, लेकिन नजदीक आने पर भिन्नता मालूम होती है। मज़ाक में कहते हैं कि एक बार कनाडा में चार सिख गए। उनको लगा कि हम दाढ़ी मुंडाएं। इतवार को ही काम से छुट्टी मिलती थी और नाई की एक ही दुकान थी। तो एक-एक इतवार को एक-एक ने जाना तय किया। तदनुसार जाने लगे। जब चौथा आदमी चौथे इतवार को गया तो नाई ने असंतोष प्रकट करते हुए कहा कि यह कैसा आदमी है, इसकी तो एक ही सप्ताह में इतनी दाढ़ी उगती है।' माने उसको उनमें भिन्नता मालूम नहीं हुई। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के दो सौ पचास करोड़ आदमियों में हर एक की आंखें अलग-अलग हैं। Finger Prints भी अलग हैं। इसलिए तो कहते हैं कि द्वंद्व में प्रतिपक्षी की आंखों को देखना चाहिए, क्योंकि आदमी का व्यक्तित्व आंखों से मालूम पड़ता है। ये सब प्रकृति के नियमों के अनुसार ही चलता है।

लेकिन इतनी विविधता से व्यक्ति का काम नहीं बनता। व्यक्ति-व्यक्ति को निकट आकर एक तरह का संबंध प्रतिष्ठापित करना पड़ता है। आपस में भेद होते हुए भी व्यक्ति एक-दूसरे के संपर्क में आता है। वह प्रकृति की एक प्रेरणा से निकट आता है, लेकिन अपने स्वार्थ के कारण उस प्राकृतिक सच को पहचानता नहीं। विविधता होते हुए भी आंतरिक प्रेरणा से व्यक्ति आपस में संबंध प्रतिष्ठापित करते हैं और वही संस्कृति है। प्रकृति से आगे जाकर जब मनुष्य कोई बात करता है तो वह संस्कृति कहलाती है। प्रकृति ईश्वर की देन है तो संस्कृति मानव की रचना है। मनुष्य इसे ढूंढ़कर निकालता है।

मनुष्यों में संबंध कैसे प्रतिष्ठापित होते हैं, इसमें तो मतभेद हैं। कोई कहता है, यह संबंध कुछ मूल प्रेरणा से होता है। एक पुरुष और एक स्त्री पति-पत्नी के संबंध में खड़े होते हैं। हमें ऐसा लगता है कि वे स्वयं निर्णय लेते हैं। यह वास्तविक बात है क्या? तो हमें ऐसा कहा गया है कि जिसका विवाह जिसके साथ होना चाहिए, यह पूर्व निश्चित ही है। उसमें उनके पूर्वजन्म के कर्म, प्रवृत्ति आदि सब मूल कारण हैं।

आगे जाकर हमने देखा तो हमें मालूम पड़ेगा

कि समाज के भी कुछ नियम होते हैं। समाज के जो अंग हैं, उनको कैसा व्यवहार करना चाहिए- इसके बारे में नियम होते हैं। वे नियम कैसे बनते हैं। इसमें दो प्रकार की विचारधाराएं हैं। एक है पश्चिम की विचारधारा, जो रूसो ने बताई है। वह सामाजिक समझौते की विचारधारा (Social Contract Theory) जिसके अनुसार जब लोग एकत्र होते हैं तो अपने को एक-दूसरे को पूरक मानकर संबंध जोड़ लेते हैं, लेकिन हम इस विचारधारा को मानते नहीं। वे तो कहते हैं, किसान और कपड़ा बनाने वाला परस्पर पूरक है। पहले तो प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी प्रकृति के अनुसार कार्य करता है। लेकिन आगे चलकर वह पूरक के नाते कार्य करने लगता है। अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वह कभी-कभी अकेला कार्य करता है, तो कभी-कभी सामूहिक रूप से कार्य करता है, लेकिन इसमें स्वार्थ सन्निहित है। कभी-कभी स्वार्थ त्याग दिख पड़ा तो भी वह केवल आगे लाभ उठाने के लिए डाला हुआ निवेश ही रहता है। जैसेकि व्यापारी एक बार ही खा-पीकर पैसा व्यापार में डालता है या किसान अगले साल के लिए बीज अलग सुरक्षित रखता है। कोई दूसरे की बात इसलिए सुनता है कि वह मेरी बात सुने। मैं आज उसे दो रुपए दें, क्योंकि वह मुझे कल दे। यह सब परस्पर सहायक संघ जैसा व्यवहार है। उसमें मूल प्रेरणा प्रकृति और स्वार्थ ही है। पश्चिम की विचारधारा स्वार्थ पर आधारित है। वस्तुतः जो स्वार्थ के ऊपर नहीं उठ सकता है, इसमें संस्कृति नहीं है, प्रकृति है।

समाजवाद भी मनुष्य की इसी कमज़ोरी पर आधारित है। वह कहता है कि मजदूर को खाना-पीना काफ़ी इसलिए नहीं मिलता, क्योंकि मालिक उसके काम से अपना लाभ उठाना चाहता है। ऐसे करके वह मजदूरों को भड़काता है। साम्राज्यवाद भेदभाव चाहता है कि विभाजन करके राज्य करो (Divide and Rule), ये सब बातें स्वार्थ के आधार पर चलती हैं। फलाना राज्य करेगा तो तू मर जाएगा। ऐसा कहकर स्वार्थ भावना को जगाते हैं। व्यक्ति की यह जो कमजोरी है, दुर्बलता है, उसके ऊपर ही ये सब विचारधाराएं खड़ी हैं। इससे ऊपर उठी नहीं।

हमें सोचना पड़ेगा कि जैसे व्यक्ति की एक सत्ता है (Individual entity), वैसे ही समाज की भी एक सत्ता होती है। लेकिन व्यक्ति की सत्ता दिख पड़ती है। समाज की दिखती नहीं। शरीर में भिन्न-भिन्न अवयव में अणुरूपी अंग (Cells) रहते हैं, वे जुड़े हुए हैं और उनके ऊपर त्वचा का आवरण है। इससे वह शरीर दिख पड़ता है। वैसे ही भिन्न-भिन्न व्यक्तियों को जोड़कर एक आवरण न रहने के कारण समाज नहीं दिखाई देता। हम यह नहीं मानते हैं कि व्यक्ति पैदा होने के उपरांत उनको जोड़कर एक समाज का निर्माण होता है, क्योंकि शरीर के बारे में हम देखते हैं कि हाथ-पैर आदि अलग-अलग अवयव जुड़कर शरीर तैयार नहीं होता। मनुष्य तो पूरा-का-पूरा पैदा होता है। जड़ वस्तुओं की जैसे दीवार बनती है, वैसे ही एक जगह लाकर उनका समूह बना सकते हैं, लेकिन इस प्रकार से चैतन्य का समूह बनाना असंभव है।

चैतन्य तो पूरा-का-पूरा पैदा होता है। चैतन्य एक ही रहता है और छोटा होने पर भी पूरा रहता है। छोटा बच्चा रहता है और उमसे पूरा मनुष्य छिपा रहता है। उसकी पूंछे नहीं रहतीं, बड़ा होने पर उगती हैं। छोटे से बीज में भी वृक्ष छिपा रहता है। समाज का अस्तित्व समाज की सत्ता तो चैतन्य ही है, समाज कुछ चीजों का समूह नहीं है। वह तो एक अलग, पूरी स्वतंत्र, स्वयंभू चीज है। जड़ चीजों में दीवार से अलग रखी हुई ईंट अपना दीवार से संबंध समझती नहीं, लेकिन व्यक्ति तो समाज से अपना संबंध समझ सकता है। उसका संबंध बाहर से नहीं दिखता, तो भी अंदर संबंध की भावना रहती है। बंगाल के किसी हिंदू पर आपत्ति आई तो यहां के हिंदू को दुःख होता है। पिताजी का कष्ट सुनकर सुदूर रहनेवाले बच्चे को भी कष्ट होता है। क्यों इनको जोड़नेवाला सूत्र शारीरिक नहीं। वह तो अदृश्य ही रहता है। यह अदृश्य सूत्र उसे जन्म से ही मालूम रहता है। हमारे यहां हम व्यक्ति की सत्ता, समाज की सत्ता चैतन्य मान्य करते हैं। उसको समझकर चलते हैं। इसके आधार पर ही सब जीवन चलता है।

सब व्यक्ति अपनी प्रवृत्ति से ऊपर उठकर समष्टि की सत्ता का ज्ञान करके उसके अनुसार चलते हैं, तो वही संस्कृति है। समष्टि की भावनाओं का साक्षात्कार होकर उसके आधार पर जहां जीवन का व्यवहार चलता है, वहां की संस्कृति का उदय होता है। पाश्चात्य लोगों का सहयोग, त्याग-सभी भिन्न आधार पर रचे गए हैं। इसीलिए वे संस्कृति के द्योतक नहीं हैं। समष्टि की सत्ता के आधार पर जीवन रचना जब होती है, वही संस्कृति कहलाती है। व्यष्टि और समष्टि इन दोनों सत्ताओं में संघर्ष नहीं, उसमें समन्वय रहना चाहिए। यही संस्कृति है। यदि विरोध रहा तो विकृति कहलाती है। ऐसी विकृति समष्टि के लिए भी घातक है और व्यष्टि के विकास के लिए भी बाधक होती है।

भोजन संयम से करना यह प्रकृति के लिए हितकारक है। यदि ज्यादा किया तो तबीयत ख़राब होकर व्यक्ति की प्रकृति बिगड़ती है और एक के ज्यादा खाने से दूसरे को खाना नहीं मिलता है और इससे समष्टि भी बिगड़ती है। बर्नार्ड शॉ और चेस्टर्टन जब मिले तो चेस्टर्टन ने (जो मोटा था) शॉ (जो दुबला था) को कहा कि यदि आपको देखा गया तो कोई कहेगा कि इंग्लैंड में अकाल पड़ा है। तो शॉ ने उत्तर दिया कि आपको देखने से उसका कारण उसे मालूम हो जाएगा। संस्कृति विकृति को रोकते-रोकते प्रकृति के स्वास्थ्य को बनाए रखती है। व्यष्टि को समष्टि का साक्षात्कार करा देती है। व्यक्ति की प्रकृति और समष्टि की प्रकृति इन दोनों में सामंजस्य प्रस्थापित करने वाली चीज़ संस्कृति है। दोनों का स्वतंत्र अस्तित्व भी है। दोनों का उपयोग है। एक को छोड़कर दूसरा नहीं। दोनों में सामंजस्य आवश्यक है। शब्द पहले या अक्षर पहले, इसके बारे में वाद-विवाद है। फिर भी एक बात सत्य है कि इन दोनों में सामंजस्य अवश्य है।

व्यष्टि और समष्टि एक-दूसरे से मिलकर जीवन का चरम लक्ष्य प्राप्त कर सकें इसके लिए दोनों में सामंजस्य बिठाना यही संस्कृति है। जहां पर यह समन्वय नहीं वहां कभी-कभी व्यष्टि की सत्ता प्रबल होती है। कभी-कभी समष्टि की सत्ता प्रबल होती है। इससे व्यष्टि को पीड़ा होती है या समष्टि को। यह स्थिति अच्छी नहीं। मनुष्य तो व्यष्टि और समष्टि-इन दोनों बातों से जीता है और जीवन को एक ही समय जी सकता है। एक ही क्रिया में दोनों का हित कर सकता है। व्यक्तिगत व्यवहार चलाते हुए समष्टि जीवन चला सकता है। इसको ही संस्कृति कहते हैं। संस्कृति का भाव संस्कार से उत्पन्न होता है। ■

संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : दावणगिरी
(मई 27, 1959)

वरिष्ठ भाजपा नेता रामप्यारे पाण्डेय नहीं रहे

भाजपा नेता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक श्री रामप्यारे पाण्डेय का 15 जुलाई को दिल्ली में निधन हो गया। श्री पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित अनेक क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के कार्यों को गति दी थी। गौरतलब है कि संगठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें प्रशिक्षण व सहयोग निधि की जिम्मेदारी दी गई थी।

श्री रामप्यारे पाण्डेय के निधन पर अनेक भाजपा नेताओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संघ प्रचारक श्री रामप्यारे पाण्डेय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्री शाह ने अपने संवेदना सन्देश में कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री रामप्यारे पाण्डेय ने एक प्रचारक के रूप में संघ व भाजपा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वह संगठन के विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे व संगठन के निर्माण में अपनी विशेष भूमिका का निर्वाह किया। उनका निधन भाजपा के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री शाह ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में मैं स्वयं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। साथ ही भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को धैर्य और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने श्री रामप्यारे पाण्डेय के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख जताया। उन्होंने ट्वीट में लिखा है- "उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में संगठन मंत्री, केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली के सदस्य, संघ के वरिष्ठ प्रचारक व मेरे अभिन्न मित्र श्री रामप्यारे पाण्डेय जी की हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन से गहरा दुःख है।"

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ केंद्रीय स्वास्थ मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री कलराज मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू, राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद (राज्य सभा) श्री भूपेंद्र यादव, कार्यालय सचिव श्री महेंद्र पाण्डेय, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी ने भी दिवंगत आत्मा को श्रध्दा सुमन अर्पित किये।

उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में संगठन मंत्री, केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली के सदस्य, संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री रामप्यारे पाण्डेय जी की हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन से गहरा दुःख है। ■

विकास के प्रति विपक्ष की नकारात्मक सोच है: नरेंद्र मोदी

विपक्ष के लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 20 जुलाई को 12 घंटों की लंबी बहस चली जिसके बाद मोदी सरकार ने सदन में अपना बहुमत साबित कर दिया। मतदान के बाद सदन में विपक्ष का लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया। प्रस्ताव के लिए कुल 451 वोट डाले गए। जिसमें से इस प्रस्ताव के पक्ष में सिर्फ 126 वोट पड़े जबकि विरोध में 325 वोट। इससे पहले, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिन भर हुई बहस के बाद सदन में अपना पक्ष रखा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्ष के तमाम आरोपों का एक-एक कर जवाब दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन का अंत विपक्ष को 2024 में उनकी सरकार के खिलाफ फिर से अविश्वास प्रस्ताव लाने का न्योता देते हुए किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20 जुलाई को लोकसभा में विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले चार साल में देश में हुए विकास के इतने कार्यों के बावजूद ''अहंकार'' के कारण अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें सवा सौ करोड़ देशवासियों ने चुना है और ''यहां से कोई न उठा सकता है, न बैठा सकता है।''

उन्होंने सभी सदस्यों से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह करते हुए कहा कि 30 साल के बाद पूर्ण बहुमत से बनी सरकार ने पिछले चार साल में जिस गति से काम किया है, उसके काम पर विश्वास जताएं। श्री मोदी ने कहा कि इससे हमें अपनी बात करने का मौका तो मिल ही रहा है, साथ ही देश को देखने को मिल रहा है कि विपक्ष में कैसी नकारात्मकता है, विकास के प्रति कितनी नकारात्मक सोच है।

उन्होंने कहा कि कभी तो लगता है कि आज उनके (विपक्षी दलों के) सारे भाषण, उनका व्यवहार अज्ञानवश नहीं है। यह झूठे आत्मविश्वास के कारण भी नहीं। ''अहंकार इस प्रकार की प्रवृत्ति के लिए खींच लाया।'' श्री मोदी ने कहा कि विपक्ष को हमारे इतने सारे विकास कार्यों, योजनाओं पर विश्वास नहीं है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ, लेकिन बैंक के दरवाजें गरीबों के लिए नहीं खुले। जब उनकी सरकारें थी, इतने साल बैठे थे, वे भी गरीबों के लिए बैंक के दरवाजें खोल सकते थे। लगभग 32 करोड़ जनधन खाते खोलने का काम हमारी सरकार ने किया और आज 80 हजार करोड़ रुपया इन गरीबों ने बचत करके इन जनधन अकाउंट में जमा किये हैं।

श्री मोदी ने कहा कि माताओं और बहनों के लिए, उनके सम्मान के लिए 8 करोड़ शौचालय बनाने का काम इस सरकार ने किया है। यह पहले की सरकार भी कर सकती थी। 'उज्जवला योजना' से साढ़े चार करोड़ गरीब माताओं-बहनों को आज धुआं मुक्त जिंदगी और बेहतर स्वास्थ्य का काम, यह विश्वास जगाने का काम हमारी सरकार ने किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये वो लोग थे जो 9 सिलेंडरों के 12 सिलेंडर इसी की चर्चा में खोये हुए थे। उनके अविश्वास के बीच वो जतना को भटका रहे थे। एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार बीते दो वर्षों में पांच करोड़ देशवासी भीषण गरीबी से बाहर आए, 20 करोड़ गरीबों को मात्र 90 पैसे प्रतिदिन और एक रुपये महीने के प्रीमियम पर बीमा का सुरक्षा कवच भी मिला।

श्री मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत पांच लाख रुपयों का बीमारी में मदद करने का इंश्योरेंस इस सरकार ने दिया है। इनको इन बातों पर भी विश्वास नहीं है। हम किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने तक की दिशा में एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं। उस पर भी इनको विश्वास नहीं। हम बीज से ले करके बाजार तक संपूर्ण व्यवस्था के अंदर सुधार कर रहे हैं, सीमलेस व्यवस्थाएं बना रहे हैं, इस पर भी उनको विश्वास नहीं है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करके बरसों से अटकी हुई 99 सिंचाई योजनाओं को उन परियोजनाओं को पूरा करने का काम चल रहा है, कुछ परियोजनाएं पूर्णताः पर पहुंच चुकी हैं, कुछ का लोकार्पण हो चुका है, लेकिन इस पर भी इनका विश्वास नहीं है। हमने 15 करोड़ किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड पहुंचाया, आधुनिक खेती की तरफ किसानों को ले गए, लेकिन इस पर भी इनका विश्वास नहीं है।

उन्होंने लोकसभा में सुबह राहुल गांधी द्वारा अपने पास आकर गले मिलने के घटनाक्रम का जिक्र किया और कहा, ''उनका एक ही मकसद है मोदी हटाओ। मैं हैरान हूं कि सुबह चर्चा शुरू हुई थी, मतदान भी नहीं हुआ था, जय पराजय का फैसला भी नहीं हुआ लेकिन उन्हें यहां पहुंचने का इतना उत्साह है कि आकर (मुझसे) बोले, उठो उठो।'

उन्होंने कहा, ''यहां कोई न उठा सकता है, न बैठा सकता है। सवा सौ करोड़ देशवासी उठा सकते हैं। इतनी जल्दबाजी क्या है।" उन्होंने कहा, ''उनका एक ही मकसद है, मैं ही प्रधानमंत्री बनूंगा। इसके लिए कम से कम अविश्वास प्रस्ताव का बहाना तो न बनाइए।"

श्री मोदी ने कहा, ''अहंकार ही कहता है कि हम खड़े होंगे तो प्रधानमंत्री 15 मिनट तक खड़े नहीं हो पाएंगे।" उन्होंने कहा, ''मैं खड़ा भी हूं और चार साल जो काम किये हैं, उस पर अड़ा भी हूं।" तेदेपा और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा सरकार के खिलाफ लाये गये पहले अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लोकतंत्र की महत्वपूर्ण शक्ति का परिचायक है। भले ही यह तेदेपा के माध्यम से आया हो लेकिन उनके साथ जुड़े हुए कुछ अन्य सदस्यों ने भी इसके समर्थन में बात कही है तो एक बड़े वर्ग ने इसके विरोध में कुछ बात कही हैं।

'राफेल' दो जिम्मेदार सरकारों के बीच सौदा है

राफेल सौदे को लेकर राहुल के बयान के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दो जिम्मेदार सरकारों के बीच सौदा है, दो कारोबारी पार्टियों के बीच नहीं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के मुद्दे पर तो ''यह बचकाना रवैया" नहीं अपनाएं। "श्री मोदी ने कहा कि हम यहां इसलिए हैं कि हमारे पास संख्या बल है। हम यहां इसलिए हैं कि सवा सौ करोड़ देशवासियों का आशीर्वाद हमारे साथ है। उन्होंने अपने भाषण में यह कविता भी कही, ''न माझी, न रहबर, न हक में हवाएं, है कश्ती भी जर्जर, ये कैसा सफर है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज यहां एक बात और कही गई, यहां पूछा गया प्रधानमंत्री अपनी आंख में मेरी आंख भी नहीं डाल सकते। माननीय अध्यक्ष महोदया, सही है हम कौन होते हैं जो आप की आंख में आंख डाल सकें। गरीब मां का बेटा, पिछड़ी जाति में पैदा हुआ। हम कहां आपसे आंख मिलाएंगे। आप तो नामदार हैं नामदार, हम तो कामगार हैं, आपकी आंख में आंख डालने की हिम्मत हमारी नहीं है। हम नहीं डाल सकते और इतिहास गवाह है।

श्री मोदी ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने कभी आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया। मोरारजी भाई देसाई

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

प्रधानमंत्री के संबोधन की मुख्य बातें

- पिछले चार साल में देश में एनडीए सरकार के विकास कार्यों के बावजूद ''अहंकार" के कारण अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। सवा सौ करोड़ देशवासियों ने चुना है और ''यहां से कोई न उठा सकता है, न बैठा सकता है।"
- उनका (राहुल) एक ही मकसद है, मैं ही प्रधानमंत्री बनूंगा। इसके लिए कम से कम अविश्वास प्रस्ताव का बहाना तो न बनाइए।
- राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी हथियाने की जल्दी है, इसलिए विपक्ष द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया है। बीजेपी को जनता का समर्थन प्राप्त है।
- सरकार को बहुमत मिला है, लेकिन विपक्ष इस बात को नहीं समझ रहा है और अपने स्वार्थ के लिए देश पर विश्वास नहीं कर रहा है। सरकार को देश के 125 करोड़ लोगों का आशीर्वाद मिला है।
- आंख में आंख डालने वालों को ठोकर मारकर बाहर कर दिया गया। आप तो नामदार है, मैं तो कामगार हूं। हम आपकी आंखों में आंख कैसे डाल सकते हैं। आंखों का खेल पूरे देश ने देखा है। आंखों की बात करके ''आंख की हरकत" पूरे देश ने देखी है। आंखों की बात करके सत्य को पूरी तरह से कुचला गया है।
- मैं प्रार्थना करूंगा कि साल 2024 में आपको इतनी शक्ति दे कि आप फिर अविश्वास प्रस्ताव लाएं। मेरी आपको शुभकामनाएं।
- बिना तुष्टीकरण के, बिना वोट बैंक की राजनीति के हम 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र के साथ राजनीति करते हैं। पिछले चार साल में उस वर्ग के लिए काम किया जिसके पास चमक धमक नहीं थी। अहंकार ही कहता है कि हम खड़े होंगे तो प्रधानमंत्री 15 मिनट तक खड़े नहीं हो पाएंगे। मैं खड़ा भी हूं और चार साल जो काम किये हैं, उस पर अड़ा भी हूं।
- मैं सौदागर और ठेकेदार नहीं हूं। मैं गरीबों एवं युवाओं के सपनों के भागीदार हूं। कांग्रेस जब सत्ता में नहीं होती है तब अस्थिरता और अफवाह फैलाने का काम करती है। 30 साल के बाद पूर्ण बहुमत से बनी सरकार ने पिछले चार साल में जिस गति से काम किया है, उसके काम पर विश्वास जताएं।
- आप सर्जिकल स्ट्राइक को जुमला स्ट्राइक बता रहे हो। आपको अगर गाली देना है, तो मोदी तैयार है लेकिन देश के जवानों के पराक्रम पर प्रहार नहीं करें। सर्जिकल स्ट्राइक की तुलना जुमला स्ट्राइक से करना देश की सेना का अपमान है।
- हम यहां इसलिए हैं कि हमारे पास संख्या बल है। हम यहां इसलिए हैं कि सवा सौ करोड़ देशवासियों का आशीर्वाद हमारे साथ है।
- सितंबर 2017 से मई 2018 तक नौ महीने में संगठित क्षेत्र में 50 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। एक साल के लिये यह आंकड़ा जोड़ें तक यह संख्या 70 लाख होगी।
- संगठित और असंगठित क्षेत्र में एक साल में एक करोड़ लोगों से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है और यह एक स्वतंत्र एजेंसी का आंकड़ा है।
- कभी तो लगता है कि आज उनके (विपक्षी दलों के) सारे भाषण, उनका व्यवहार अज्ञानवश नहीं है। यह झूठे आत्मविश्वास के कारण भी नहीं। अहंकार इस प्रकार की प्रवृत्ति के लिए खींच लाया।
- राफेल सौदा दो जिम्मेदार सरकारों के बीच सौदा है, दो कारोबारी पार्टियों के बीच नहीं। देश की सुरक्षा के मुद्दे पर तो ''यह बचकाना रवैया" नहीं अपनाएं।
- राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे पर इस तरह की बात करना ठीक नहीं है। नामदार के आगे तो मैं इसके संबंध में प्रार्थना ही कर सकता हूं।
- देश के सेनाध्यक्ष के बारे में बात की जाती है जो ठीक नहीं है। जो देश के लिये मर-मिटने को तत्पर होते हैं, उनके बारे में इस तरह की बात करना ठीक नहीं है।

गवाह है उन्होंने आंख में आंख डालने की कोशिश की क्या किया गया। जय प्रकाश नारायण गवाह है उन्होंने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया गया। चौधरी चरण सिंह उन्होंने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया गया।

उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया गया। चन्द्र शेखर जी ने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया गया। प्रणब मुखर्जी ने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ क्या किया गया। इतना ही नहीं हमारे शरद पवार जी ने आंख में आंख डालने की कोशिश की उनके साथ भी क्या किया गया। मैं सारा कच्चा चिट्ठा खोल सकता हूं। इसलिये आंख में आंख डालने की कोशिश करने वालों को कैसे अपमानित किया जाता है। कैसे उनको ठोकर मारकर निकाला जाता है।

श्री मोदी ने कहा कि एक परिवार का इतिहास इस देश में अनजान नहीं है और हम तो कामगार भला हम नामदार से आंख में आंख कैसे डाल सकते हैं और आंखों की बात करने वालों की आंखों की हरकतों ने आज टीवी पर पूरा देश देख रहा हा। कैसे आंख खोली जा रही है कैसे बंद की जा रही है। ■

अविश्वास प्रस्ताव की तुच्छता

अरुण जेटली

अविश्वास प्रस्ताव एक गंभीर विषय है। यह कोई गंभीरता से न लेने वाला अवसर नहीं है। बहस में शामिल होने वाले मुख्य प्रतिभागियों में आमतौर पर वरिष्ठ नेतागण शामिल थे। ऐसे नेताओं से राजनीति का स्तर बढ़ाने की उम्मीद की जाती है। यदि कोई प्रतिभागी जो एक राष्ट्रीय पार्टी का अध्यक्ष है और प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद रखता है, तो उसका एक-एक शब्द मूल्यवान होना चाहिए तथा उनके तथ्यों में विश्वसनीयता होनी चाहिए। बहस को महत्वहीन नहीं बनाना चाहिए। वो, जिनकी इच्छा प्रधानमंत्री बनने की है, वो कभी भी अज्ञानता, झूठ और कलाबाजी का मिश्रण नहीं नहीं करते हैं।

अफसोस की बात है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने एक महान अवसर खो दिया है। यदि यह 2019 चुनाव के लिए उनकी सर्वश्रेष्ठ बहस थी तो फिर भगवान ही उनकी पार्टी की सहायता करे। उनकी समझ न केवल बुनियादी मुद्दों तक ही सीमित है, बल्कि प्रोटोकॉल से संबंधित जानकारी के मामले में भी उनकी जानकारी सीमित है किसी को कभी भी सरकार के मुखिया (प्रधानमंत्री) के साथ हुई बातचीत को गलत नहीं ठहराना चाहिए। राहुल गांधी ने अपने भाषण में फ्रांस के राष्ट्रपति मैंक्रोन का जिक्र कर अपनी विश्वसनीयता कम की है। यहीं नहीं, उन्होंने विश्व भर में एक भारतीय राजनेता की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। उन्हें पता ही नहीं था कि यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन मंत्री ने गोपनीयता की संधि पर हस्ताक्षर किए थे। वह अब डॉ. मनमोहन सिंह को शर्मिंदा करना चाहते हैं, जो इस संधि के गवाह हैं। राहुल ने बार-बार ये दर्शाया है कि वे तथ्यों से अनजान हैं। लेकिन वित्तीय विवरणों के ब्योरे पर जोर देने के लिए, जो अप्रत्यक्ष रूप से विमान पर सामरिक उपकरणों के ब्योरे को शामिल करता है, राष्ट्रीय हित को चोट पहुंचाना है। लागत बताने का मतलब होता है कि विमान में मौजूद हथियारों की भी जानकारी देना।

क्या उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि यूपीए सरकार ने जीएसटी संशोधन का प्रस्ताव रखा था और पेट्रोलियम पदार्थों को इसमें शामिल नहीं किया था? यह एनडीए सरकार है जो जीएसटी परिषद की सहमति के बाद जीएसटी लेकर आई। जब वह एनपीए के रूप में खातों की घोषणा और लोन के छूट की तुलना करते हैं, तो तब ऐसा लगता है उन्हें सार्वजनिक मुद्दों के बारे में जानकारी नहीं है।' ऐसा कोई मंत्री नहीं है, जो या तो संविधान बदलना चाहता है या संवैधानिक रूप से भारत के संविधान को बदलने का हकदार है। उन्होंने कहा कि आखिरी भारतीय राजनेता जो संविधान को बदलने की शक्ति चाहती थी, वे राहुल की दादी (इंदिरा गांधी) थी और वो भी असफल रहीं।

विभ्रम किसी व्यक्ति को क्षणिक सुख दे सकता है। इसलिए, शर्मनाक प्रदर्शन के बाद यह विभ्रम होना कि वह भविष्य का चुनाव जीत चुके हैं या यह विभ्रम होना कि वह मार्क एंटनी के अवतार हैं जिसकी मित्रों और शत्रुओं द्वारा समान रूप से प्रशंसा की जा रही है, उन्हें स्व-संतोष दे सकता है, लेकिन गंभीर पर्यवेक्षकों के लिए यह महज आत्म प्रशंसा से ज्यादा नहीं है।'' यहां तक कि राजवंशों में भी कई उत्तराधिकारी आपको अपने पूर्ववर्तियों के गुणों की याद दिलाते देते हैं। कल ही मैंने पंडितजी के दो पुराने भाषणों को दोबारा पढ़ा - 'ट्रेस्ट विद डेस्टिनी' और 'लाइट लाइव्स से बाहर चला गया'। ■

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं)

सरकार की पूर्वोदय परिकल्पना से पूर्व और पूर्वोत्तर में विकास की बयार

धर्मेंद्र प्रधान

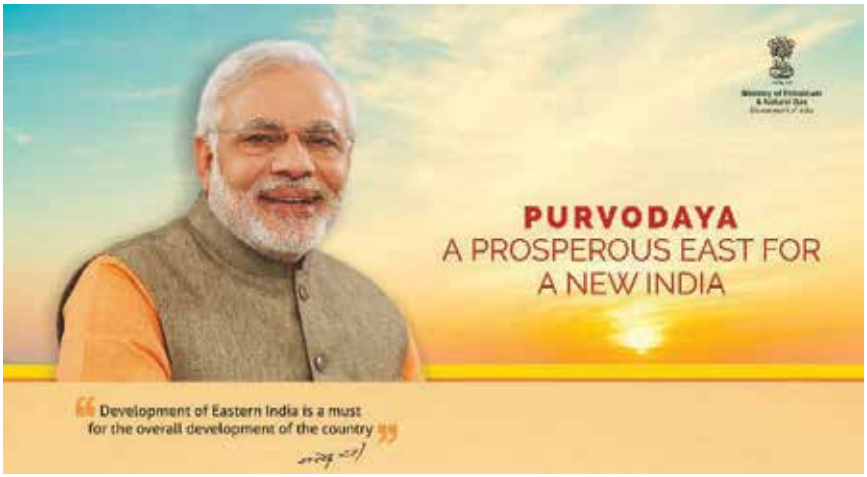

ओडिशा जहां पर मेरा बचपन बीता 70 के दशक में बड़ा मनमोहक और मासूमियत से भरा हुआ करता था, भले ही वह बुनियादी ढांचे,गड्ढे वाली सड़कों और झुलती हुए पुलों से घिरा हुआ क्षेत्र था। यह पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश के लिए अभी भी सच है। निस्संदेह,पहले से बहुत कुछ बदल गया है। हालांकि, मुझे ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र के अप्रत्याशित क्षमता पर लोगों की नजर नहीं पड़ी है, भले ही देश के अन्य भाग तेजी से तरक्की के रास्ते पर बढ़ते चले जा रहे है .

यदि भारत का पूर्वी और पूर्वोत्तर भाग (असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और बंगाल) एक देश होता तो यह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक, सातवां सबसे बड़ा कोयले उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक होता। इसके अलावा, दक्षिणी और पश्चिमी भारत की तुलना में पूर्व और पूर्वोत्तर की आबादी युवा है जो, यूरोपीय देशों जैसा दिखता है।

इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए समय की आवश्यकता है की जनसंख्या को वर्तमान प्रासंगिक आवश्यकताओं के अनुरूप बाजार प्रासंगिक कौशल के साथ लैस करना। हमारा प्रयास युवाओं को सशक्त बनाने के लिए शारीरिक और बौद्धिक आधारभूत संरचना को प्रदान करना है। इन राज्यों में से 13 के लिए 6.18 लाख की सीट क्षमता वाले 2,578 आईटीआई स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, छोटे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की मांग करने वालों के लिए इन क्षेत्रों में फैले 900 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र प्रमुख हमारे प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत पाठ्यक्रम पेश करते हैं।

हमने रोजगार और स्व-रोज़गार संबंधों के साथ उत्कृष्टता के बहुल-कौशल केंद्रों के रूप में कार्य करने के लिए 154 प्रधान मंत्री कौशल केंद्र भी स्थापित किए हैं। इसके साथ-साथ, हमारे पास प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए क्षेत्र में छह राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए उद्यमी प्रेरणा के "जिंदादिली" को बढ़ावा देने के लिए एक भारतीय उद्यमिता संस्थान। इसके अलावा, हमारी विरासत की विविधता और विशिष्टता को पहचानने की दिशा में हम स्थानीय कारीगरों और कारीगरों के प्रमाणीकरण के लिए कोशिश कर रहे हैं। हमने हाल ही में कटक में एक कौशल-सह-सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करने स्थानीय मिट्टी के कारीगरों का समर्थन करने और रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए इस विश्व प्रसिद्ध कला केंद्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का कथन है कि भारत का विकास पूर्व और पूर्वोत्तर के विकास के बिना अधूरा है। यह दृढ़ संकल्प के माध्यम से पूर्वोदय या-या पूर्व के पुनर्जागरण-जिसमें नीतिगत सुधारों की एक श्रृंखला शामिल है जो मूल रूप से इस क्षेत्र में विकास के कारकों को बदलती है।

हालांकि हम अक्सर कई मुद्दों पर असहमत रहते हैं, जबकि लोगों के विकास के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए हमने 14 वें वित्त आयोग (एफसी) सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए बातचीत की है। कर विघटन के अभूतपूर्व परिवर्तन में पूर्वी क्षेत्र करों के विभाजित पूल में पूर्वी प्लस पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा कुल पूल का 35.75% है, जो 13वीं एफसी

सिफारिशों से एक बड़ी छलांग है। ओडिशा जैसे राज्यों के लिए 13 वें एफसी द्वारा अनुशंसित 32% से 42% पर कर विघटन की बड़ी छलांग है। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों में पीएमयूवाई के तहत जारी किए गए एलपीजी कनेक्शन की कुल संख्या में 2.76 करोड़ नए कनेक्शन - पूर्व और पूर्वोत्तर को मिले हैं।

इस क्षेत्र में व्यापार को मजबूत करने के लिए, रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी टर्मिनल, मल्टीमोडाल रसद पार्क और बंदरगाह विस्तार जैसे क्षेत्रों में पारादीप और धामरा बंदरगाहों में $ 20 बिलियन के निवेश के हिस्से के रूप में काम चल रहा है। ऊर्जा सुरक्षा के लिए, महत्वाकांक्षी 2,655 किमी जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) परियोजना पर भी काम चल रहा हैं - जिसे 'प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा' परियोजना भी कहा जाता है - पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय गैस ग्रिड के साथ एनईआर को जोड़ने के लिए गेल 721 किमी बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन (बीजीपीएल) को कार्यान्वित कर रहा है।

दिसंबर 2020 तक जेएचबीडीपीएल को चालू किया जाएगा और दिसंबर 2021 तक बीजीपीएल पाइपलाइनों की लंबाई में अधिक विकास कार्यों को देखेगा। वाराणसी, पटना, रांची, जमशेदपुर, भुवनेश्वर, कटक और कोलकाता में शहर गैस वितरण के साथ-साथ पाइपलाइन मार्ग के साथ तीन उर्वरक इकाइयों के पुनरुद्धार के साथ विकसित विकास होंगे। इसके अतिरिक्त, कुछ तेल पीएसयू ने एनईआर के भीतर 1,500 किलोमीटर की पाइपलाइन के साथ गैस ग्रिड सिस्टम विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिसंबर 2020 तक जेएचबीडीपीएल को चालू किया जाएगा और दिसंबर 2021 तक बीजीपीएल पाइपलाइनों की लंबाई में अधिक विकास कार्यों को देखेगा। वाराणसी, पटना, रांची, जमशेदपुर, भुवनेश्वर, कटक और कोलकाता में शहर गैस वितरण के साथ-साथ पाइपलाइन मार्ग के साथ तीन उर्वरक इकाइयों के पुनरुद्धार के साथ विकसित विकास होंगे। इसके अतिरिक्त, कुछ तेल पीएसयू ने एनईआर के भीतर 1,500 किलोमीटर की पाइपलाइन के साथ गैस ग्रिड सिस्टम विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुझे उम्मीद है कि हमारे बड़े पूर्वी क्षेत्र - जिसमें युवा जनसांख्यिकी, आर्थिक व्यापार के अवसर, लीपफ्रोगिंग क्षमताओं मानव और प्राकृतिक संसाधनों के संदर्भ में बहुत कुछ है जिसे हम एक ऐसा क्षेत्र के रूप में देखते हैं जिसने बनने की यात्रा शुरू की वह जिसके योग्य था इसी से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। ■

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

देश के 91 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर में 4 प्रतिशत की वृद्धि

12 जुलाई, 2018 को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के 91 प्रमुख जलाशयों में 38.157 बीसीएम (अरब घन मीटर) जल संग्रह हुआ। यह इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 24 प्रतिशत है। 5 जुलाई, 2018 को समाप्त सप्ताह में जल संग्रह 20 प्रतिशत के स्तर पर था। 12 जुलाई, 2018 को समाप्त सप्ताह में यह संग्रहण पिछले वर्ष की इसी अवधि के कुल संग्रहण का 107 प्रतिशत तथा पिछले दस वर्षों के औसत जल संग्रहण का 99 प्रतिशत है।

इन 91 जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 161.993 बीसीएम है, जो समग्र रूप से देश की अनुमानित कुल जल संग्रहण क्षमता 257.812 बीसीएम का लगभग 63 प्रतिशत है। इन 91 जलाशयों में

से 37 जलाशय ऐसे हैं जो 60 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता के साथ पनबिजली लाभ देते हैं। ■

प्रधानमंत्री ने आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया। यह एक्सप्रेसवे लखनऊ सहित बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर जैसे पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक शहरों को जोड़ेगा। जब यह एक्सप्रेसवे तैयार हो जाएगा तब दिल्ली एक्सप्रेसवे के जरिए पश्चिम में नोएडा से लेकर पूरब में गाजीपुर तक के उत्तर प्रदेश के सभी प्रमुख शहर जुड़ जाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के विकास में एक नया अध्याय जुड़ने की शुरूआत हुई है। पूर्वी भारत में पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र में विकास की एक नई गंगा बहेगी। यह गंगा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के तौर पर आपको मिलने जा रही है।

एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 340 किमी लंबी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे उन शहरों तथा नगरों का कायाकल्प कर देगी जिनसे होकर यह गुजरेगी। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली और गाजीपुर के बीच भी द्रुत संपर्क उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे के साथ साथ नए उद्योग एवं संस्थान विकसित होंगे। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे क्षेत्र में ऐतिहासिक महत्व के स्थानों में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज विकास के लिए संपर्क आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क चार सालों में लगभग दोगुना हो गया है। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री ने वायु संपर्क एवं जल संपर्क के क्षेत्र में की गई पहलों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश के पूर्वी क्षेत्र को विकास के एक नए गलियारा के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ सबका विकास' के अपने विजन को दुहराया और क्षेत्र के संतुलित विकास पर जोर दिया। डिजिटल कनेक्टिविटी के बारे में उन्होंने उल्लेख किया कि अभी तक एक लाख पंचायतों के लिए ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए गए हैं और यह भी कहा कि तीन लाख समान सेवा केंद्र लोगों के जीवन को सरल बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं केंद्र सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं जैसी विकास पहलों की चर्चा की। उन्होंने खरीफ फसलों के एमएसपी में हाल की बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया, जिससे किसानों को लाभ पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री ने कुछ तत्वों द्वारा उस कानून को बाधित किए जाने की आलोचना की जिससे 'तीन तलाक' से मुस्लिम महिलाओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने इस कानून को एक वास्तविकता बनाने के प्रयासों के प्रति दृढ़ संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य सरकार दोनों के लिए ही राष्ट्र और इसके लोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं।

साथ ही श्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि राज्य सरकार राज्य में विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराध पर नियंत्रण लगाकर, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगाकर योगी जी ने बड़े से बड़ा निवेश लाने और छोटे से छोटे उद्यमी के लिए

व्यापार को सुलभ बनाने का काम किया है। किसान हो या नौजवान हो, महिलाएं हो या पीड़ित, शोषित, वंचित वर्ग हो, सभी के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध होकर योगी जी की सरकार आपकी सेवा में डूबी हुई है। पहले के दस वर्षों में उत्तर प्रदेश की जिस तरह की पहचान बन गई थी, वो पहचान अब बदलनी शुरू हो चुकी है। अब जनता का पैसा जनता के भलाई के लिए खर्च हो रहा है। एक-एक पाई को ईमानदारी के साथ खर्च किया जा रहा है। यह बदली हुई कार्य संस्कृति उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाईयों पर ले करके जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के बुनकरों के लिए भी कदम उठाए हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने आधुनिक मशीनों, कम ब्याज पर ऋण एवं वाराणसी में व्यापार सुगमीकरण केंद्र का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा की गई पहलों का भी उल्लेख किया। ■

मोदी सरकार आदिवासी समुदाय को विकास की मुख्यधारा में लाने में सफल हुई है: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 11 जुलाई को कार्निवल हॉल, डीबडीह (रांची) में जनजातीय समाज संवाद कार्यक्रम और मयूरी प्रेक्षागृह, सीएमपीडीआई, कांके रोड (रांची) में सोशल मीडिया वालंटियर्स को संबोधित किया। रांची आगमन के तुरंत पश्चात सबसे पहले बिरसा चौक पर भगवान् बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में पार्टी विस्तारकों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजकीय अतिथिशाला, मोरहाबादी में झारखंड भाजपा के लोक सभा प्रभारियों एवं लोक सभा टोली के साथ भी विभिन्न विषयों पर विस्तृत बैठक की।

जनजातीय समाज संवाद कार्यक्रम में आदिवासी समाज के अग्रणी बंधुओं एवं प्रबुद्धजनों के साथ परिचर्चा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले चार सालों में आदिवासियों के कल्याण एवं उनके उत्थान के लिए जितना काम हुआ है, उतना आजादी के 70 सालों में कभी नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आदिवासी समुदाय को देश के विकास की मुख्यधारा में लाने में सफल हुई है और श्री रघुबर दास के नेतृत्व में झारखंड की भाजपा सरकार मोदी सरकार के ही पदचिह्नों पर चलती हुई आदिवासियों के कल्याण के प्रति समर्पण भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार झारखंड के विकास के लिए कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी झारखंड के विकास के लिए सदैव झारखंड की जनता के साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि आज तक केंद्र में कांग्रेस और उनके सहयोगियों की जो सरकारें रहीं, उन्होंने देश के पूर्वी हिस्से के विकास की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि यदि केवल झारखंड की बात की जाय तो सिर्फ खदानों की ई-नीलामी से राज्य को लगभग 1,17,000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त होगा, इसके अतिरिक्त मिनरल एरिया वेलफेयर डेवलपमेंट फंड के माध्यम से राज्य के अलग-अलग जिले में आदिवासी भाइयों के विकास के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये झारखंड को प्राप्त होंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार और झारखंड सरकार एक ऐसे 'न्यू इंडिया' के निर्माण के लिए मिलकर काम कर रही है जिस भारत का स्वप्न आजादी के लिए देश पर कुर्बान हो जाने वाले शहीदों, सीमा पर शहीद होने वाले हमारे जवानों और गरीबों व किसानों ने देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बजट में किसानों को लागत मूल्य का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य करने का निर्णय लिया है, यह किसानों की आय को दुगुना करने के लक्ष्य की दिशा में विशिष्ट कदम है। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर आज तक किसी भी कांग्रेस और उनकी सहयोगियों की सरकारों ने नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश के गरीब लोगों के स्वास्थ्य-लाभ के लिए आयुष्मान भारत की योजना लेकर आई है, इससे देश के 10 करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों अर्थात् लगभग 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य लाभ पहुंचेगा।

श्री शाह ने कहा कि एक सरकार जो समान विकास और गरीब कल्याण में यकीन रखती है, अंत्योदय के सिद्धांतों पर चलती है और पारदर्शी एवं निर्णायक तरीके से काम करती है तो केवल 1000 दिनों में कैसे परिणाम आ सकते हैं, यह झारखंड की रघुबर सरकार ने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज से पहले विकास के विभिन्न

मापदंडों के आधार पर यदि देश के राज्यों की सूची देखी जाती थी तो झारखंड मध्य में या नीचे मिलता था, लेकिन आज यदि इस सूची को देखा जाय तो 8% से अधिक विकास दर के साथ देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है।

उन्होंने प्रदेश भर से आये सोशल मीडिया वालंटियर्स का आह्वान करते हुए कहा कि यह आप सबकी जिम्मेदारी बनती है कि विपक्ष के दुष्प्रचार को नाकामयाब करते हुए आप केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की रघुबर सरकार की लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं गांव, गरीब, किसान, आदिवासी, दलित, युवा व महिलाओं के कल्याण के लिए किये गए कार्यों को जन-जन तक ले जाने के लिए कटिबद्ध हों। ■

किसान कल्याण रैली, मलोट (पंजाब)

'कांग्रेस ने कभी भी किसान को मान नहीं दिया'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11 जुलाई को किसान रैली को संबोधित करते हुए पंजाब के मलोट में कहा कि किसानों के साथ कांग्रेस ने बीते 70 सालों से सिर्फ धोखा किया है, जबकि उनकी सरकार लगातार किसानों के हितों के लिए काम कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने वो काम किया है कि किसानों को सीधे फायदा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब की धरती ने हर क्षेत्र में देश में का नाम रोशन किया है। सीमाओं की रक्षा हो, खाद्य सुरक्षा हो या फिर श्रम उद्यम का क्षेत्र हो पंजाब ने हमेशा से देश को प्रेरित करने का काम किया है। पंजाब ने हमेशा खुद से पहले देश के लिए सोचा है।

श्री मोदी ने कहा कि 'कैसे भी स्थिति रही हो देश के किसान ने कभी मेहनत करने में कमी नहीं रखी लेकिन कांग्रेस पार्टी और उनकी सरकारों ने कभी किसानों की इज्जत नहीं की कभी उसको मान नहीं दिया। किसानों से सिर्फ वायदे किए गए, और चिंता सिर्फ़ एक परिवार के सुख की गई। मैं जानना चाहता हूं कि इतने वर्षों तक आपको लागत के सिर्फ 10 प्रतिशत के लाभ तक सीमित क्यों रखा गया? आखिर क्यों, इसके पीछे क्या स्वार्थ था? कांग्रेस ने हमेशा उसके साथ धोखा किया, झूठ बोला। कांग्रेस ने किसानों को वोटबैंक बनाने के लिए काम किया। सीमा पर खड़ा जवान हो या फिर खेत में जुटा किसान, दोनों का सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाने का काम इस सरकार ने किया है। ये हमारी ही सरकार है जिसने वन रैंक वन पेंशन का वादा पूरा किया और ये भी हमारी ही सरकार है जिसने MSP पर अपना वादा निभाया है, लागत का डेढ़ गुना मूल्य सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि 'हमारी सरकार ने MSP का अपना वादा पूरा किया है, लागत का डेढ़ गुणा मूल्य सुनिश्चित करने का काम हमारी किया है। जब से सरकार ने ये फैसला लिया है, तबसे देश के किसान की एक बहुत बड़ी चिंता दूर हुई है। उसको विश्वास है कि जो निवेश उसने किया है, जो श्रम लगाया है उसका फल उसे मिलेगा।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेसियों और उनके सहयोगियों की नींद उड़ी हुई है। उन्हें ये समझ नहीं आ रहा कि जिस फाइल को वो दबाए हुए थे, वो इस सरकार ने पूरी कैसे कर दी? यही कारण है कि वो अब नई-नई अफवाहें और कुतर्क गढ़ने में जुटे हैं। ये कितनी भी कोशिश कर लें हमारे इरादे इससे और मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि एक दौर वो था जब यूरिया किसानों के बजाय दूसरी जगहों पर पहुंच जाता था। किसानों को यूरिया के लिए लाठी खानी पड़ती थीं, लेकिन यूरिया की 100% नीम कोटिंग कर हमने इस बेईमानी को रोका और आज पर्याप्त मात्रा में यूरिया आपको उपलब्ध हो रही है।

हमारी सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश में अभी तक 15 करोड़ से ज्यादा #SoilHealthCard वितरित किए जा चुके हैं । बीज से बाजार तक एक व्यापक रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा हैं, फसल की तैयारी से लेकर बाजार में बिक्री तक आने वाली हर समस्या के समाधान के लिए एक के बाद एक कदम उठाये जा रहे हैं।

श्री मोदी ने यहां कहा कि किसान पराली ना जलाएं, क्योंकि इससे प्रदूषण होता है। उन्होंने कहा कि किसानो को पराली ना जलानी पड़े इसके लिए केंद्र सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर अहम योजना बना रही है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसानों को संबोधित किया। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर भी रैली में उपस्थित थे। ■

'नए भारत के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने यूथ पार्लियामेंट में देश भर से आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश को यदि आगे लाना है तो यह काम कोई एक नेता या एक दल नहीं कर सकता। यह जिम्मेवारी देश के युवाओं की है। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाने के लिए व्यक्ति, सामूहिक व प्रशासन को एक ही दिशा में आगे चलना होगा।

उवारसद गांव स्थित कर्णावती यूनिवर्सिटी में यूथ पार्लियामेंट-2018 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि 125 करोड़ के इस देश के लोगों को एक ही तरफ कदम बढ़ाकर चलना होगा। तभी वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी जी के सपनों के भारत का निर्माण हो सकेगा। 2022 में देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होंगे। प्रधानमंत्री ने 2022 के लिए नए भारत का लक्ष्य देश के सामने रखा है। वह भारत गंदगी से मुक्त, गरीबी से मुक्त संपन्न भारत, भ्रष्टाचार से मुक्त पारदर्शी भारत, आतंकवाद से मुक्त सुरक्षित भारत, जातिवाद से मुक्त लोकतांत्रिक भारत तथा संप्रदायवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण से मुक्त नया भारत होगा। इन सभी लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी। राज्यसभा सांसद ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद इसरो को अपनी पूरी क्षमता का एहसास हुआ। पहले एक या दो या फिर एक साथ ज्यादा से ज्यादा 13 सैटेलाइट छोड़े जाते थे, लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद इसरो ने एक साथ 104 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे। इस मामले में अमरीका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस वर्ष की शुरुआत में दावोस के विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पहले भारतीय प्रधानमंत्रियों को मंच को संबोधित करने का अवसर नहीं मिलता था और वे सिर्फ विश्व नेताओं के साथ फोटो खींचवाने की बात रहती थी। जबकि इस बार भारतीय प्रधानमंत्री मोदी जी को सम्मेलन के उद्घाटन करने का अवसर मिला और उन्होंने हिन्दी में अपना भाषण दिया।

श्री शाह ने कहा कि पहले देश के सेना के जवानों को अपमानित किया जाता था, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद सेना के जवानों ने पाकिस्तान के घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया। इसके साथ ही भारत अमरीका और इजरायल के साथ ऐसे सक्षम देशों की सूची में शामिल हो गया। ■

गंगा नदी के किनारे 'जन सुगमता' पहल की शुरुआत

भारतीय अंतरदेशीय जल मार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने जलमार्गों के जरिये संपर्क बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के संबंध में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर गंगा नदी के किनारे वृहद जन सुगमता पहल की शुरूआत की है। वाराणसी से हल्दिया तक एक महीने तक चलने वाले लंबे संवाद के अंग से रूप में आईडब्ल्यूएआई ने 17-18 जुलाई, 2018 को गाजीपुर जिले के जमानिया, कटारिया, पुरैना, सराय मोहम्मदपुर, चोचकपुर, जल्लापुर, डूंगरपुर गांवों के किसानों और व्यापारियों के साथ दो दिवसीय चर्चा की।

अधिकारियों ने गंगा नदी पर 5369 करोड़ रुपये की जलमार्ग विकास परियोजना के बारे में जानकारी प्रदान की। इस चर्चा में सैकड़ों लोगों ने भागीदारी की और सबने परियोजना के प्रति उत्साह और उम्मीद व्यक्त की। समुदायों तक की जाने वाली इस पहुंच में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें गैर सरकारी संगठन, पंचायत प्रधान, किसान और अन्य समुदायों के सदस्य शामिल थे।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे स्थित इस इलाके में हरी मिर्च, टमाटर, बैंगन, प्याज, फूलगोभी, केला, पपीता इत्यादि भारी मात्रा में पैदा होते हैं, लेकिन बेहतर आपूर्ति श्रृंखला, संपर्कता और भंडारण संरचना के अभाव में ये उत्पाद अन्य शहरों के बाजारों में नहीं पहुंच पाते। ये उत्पाद प्रायः खराब हो जाते हैं। आईडब्ल्यूएआई जल विकास परियोजना के अंतर्गत गाजीपुर में 155 करोड़ रुपये की लागत से इंटर मोडल टर्मिनल बना रहा है। इसके बन जाने से राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के जरिये बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र के आसपास स्थित बाजारों तक सीधी पहुंच हो जाएगी।

5369 करोड़ रुपये की लागत वाली जलमार्ग विकास परियोजना जिन चार राज्यों से गुजरेगी, वहां डेढ़ लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होंगे। समावेशी विकास के दायरे में हितधारकों को लाने के लिए संवाद प्रक्रिया शुरू हो गई है। जलमार्ग विकास परियोजना संबंधी विश्व बैंक आर्थिक विश्लेषण के अनुसार अकेले उत्तर प्रदेश में 50 हजार रोजगार पैदा होंगे।

जलमार्ग विकास परियोजना से वाराणसी से हल्दिया तक भारी मालवाहकों के आवागमन की सुविधा तो होगी ही, इसके साथ गंगा किनारे के किसानों और स्थानीय समुदायों को भी लाभ होगा। कृषि उत्पादों, सब्जियों, डेयरी उत्पादों इत्यादि के लिए छोटे मालवाहकों के आवागमन की सुविधा बनाने के संबंध में छोटे जहाजों, छोटी गोदियों और नौका सेवाओं पर विचार किया जा रहा है।

आईडब्ल्यूएआई युवाओं, मल्लाहों और अन्य समुदायों के सदस्यों को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण देने के लिए राज्य आजीविका मिशनों के साथ काम कर रहा है, ताकि इनके लिए भी रोजगार अवसर पैदा हो सकें। ■

जेनरिक दवाइयों के क्षेत्र में भारत एक प्रमुख शक्ति

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने कहा कि जेनरिक दवाइयों के क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान एक अहम किरदार की बन चुकी है। नई दिल्ली में 13 जुलाई को भारत के दवा उत्पादकों के संगठन (ओपीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि क्रमिक वृद्धि के साथ भारत 2020 तक दुनिया के तीन बड़े दवा बाजारों में शामिल होगा और दवा बाजार के आकार के संदर्भ में यह दुनिया का छठा सबसे बड़ा दवा बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यवर्गीय परिवारों में बढ़ोत्तरी के साथ देश में चिकित्सा इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार होगा, जो दवा क्षेत्र में वृद्धि को प्रभावित करेगा।

श्री सुरेश प्रभु ने कहा कि भारत जीनोमिक्स और उसके एप्लीकेशन में अनुसंधान की सबसे अच्छी जगह है। उन्होंने फॉर्मा सेक्टर में वृद्धि और उपभोक्ता हितों के संरक्षण में संतुलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय दवा उद्योग के लिए अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों में अपार संभावनाए हैं और स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र में संपूर्ण समाधान देने में भारत सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत को पांच

ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में शामिल करने में फॉर्मा उद्योग अहम भूमिका निभाएगा।

भारतीय दवा बाजार में वर्ष 2011 से 2016 तक 5.64 फीसदी की मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की गई। भारतीय दवा बाजार वर्ष 2011 में 20.95 अरब डॉलर का था, जो वर्ष 2016 में बढ़कर 27.57 अरब डॉलर को हो गया। दवा क्षेत्र के राजस्व में वर्ष 2017 में 7.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि अनुमानित है। ■

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नए मुख्यालय का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जुलाई को नई दिल्ली के 24, तिलक मार्ग पर बने भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई) के नए मुख्यालय- धरोहर भवन- का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा, संस्कृति सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह तथा एएसआई की महानिदेशक श्रीमती उषा शर्मा और संस्कृति मंत्रालय तथा एएसआई के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण ने पिछले 150 वर्षों में महत्वपूर्ण कार्य किया है। प्रधानमंत्री ने अपने इतिहास तथा अपने पुरातात्विक विरासत पर गर्व करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को स्थानीय इतिहास तथा अपने शहरों और क्षेत्रों के पुरातत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय पुरातत्व के पाठों को स्कूली सिलेबस का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने सुप्रशिक्षित स्थानीय पर्यटक गाइडों के महत्व की चर्चा की, जो इतिहास तथा क्षेत्र की विरासत के जानकार होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को अपनी विरासत, अपने गौरव और विश्वास को दुनिया को दिखाना चाहिए।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने देश के 3686 स्मारकों की देखरेख करने तथा अफगानिस्तान, म्यांमार, कम्बोडिया जैसे विश्व के अन्य देशों में संरक्षण सेवाएं देने के लिए एएसआई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे देश को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत मिली है और यह हमारी पहचान है तथा विश्व ने भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में संस्कृति मंत्रालय 2014 से मूर्त और अमूर्त दोनों सहित अनेक विरासत परिसंपत्तियों की विश्व यूनेस्को मान्यता प्राप्त करने में सफल रहा है। संस्कृति मंत्री ने बताया कि विदेशों से 40 पुरातन कृतियां वापस मंगाई गई है तथा 8 से 9 और पुरातन कृतियों को वापस लाने के प्रयास जारी है।

एएसआई के नए मुख्यालय भवन में अत्याधुनिक सुविधाएं है। इनमें ऊर्जा सक्षम प्रकाश व्यवस्था और जल संचयन व्यवस्था शामिल हैं। नए मुख्यालय भवन में केन्द्रीय पुरातत्त्व पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 1.5 लाख पुस्तकें और पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय अनूठा और पुरातत्त्व, धर्म तथा भारत की सांस्कृतिक परिदृश्य पर शोध करने वालों के लिए समृद्ध भंडार है।

पुस्तकालय में पुरातत्त्व से संबंधित प्रमाणिक रिकॉर्ड हैं। इन रिकॉर्डों में एएसआई रिपोर्टें, एलेक्जेंडर कनिंघम (एएसआई के संस्थापक), जॉन मार्शल की डायरी आदि है, जो पूरी दुनिया में शोधकर्ताओं के लिए महान स्रोत है। पुस्तकालय में धार्मिक पुस्तकों का मौलिक संग्रह संकलन है और इसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत पर पुस्तके हैं। ऐसी पुस्तकों में हिन्दू, मनु स्मृति, कौटिल्य का अर्थशास्त्र शामिल है, जो शोधकर्ताओं की मांग है। पुस्तकालय में कल्हण की राजतरंगिनी, कश्मीर पर संकलन और गुजरात का इतिहास है। खरसोती, ब्राह्मी लिपियों में अद्भुत पुस्तकें हैं। शोधकर्ताओं के लिए तिब्बती पाण्डुलिपियां (अद्भुत) है। ■

पिछले चार वर्षों में स्वयं सहायता समूहों की संख्या चौगुनी: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जुलाई को वीडियो ब्रिज के माध्यम से देशभर के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा दीनदयाल अन्त्योदय योजना के लाभार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम में विभिन्न समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक करोड़ से अधिक महिलाएं कवर की गई। प्रधानमंत्री का वीडियो कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद की श्रृंखला में यह नौवां संवाद था।

प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की चर्चा करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह समाज के गरीब विशेषकर ग्रामीण तबकों की महिलाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2011-14 की तुलना में पिछले चार वर्षों में स्वयं सहायता समूहों की संख्या चौगुनी हो गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और उद्यम का सृजन हो रहा है। 2011 तथा 2014 के तीन वर्षों के बीच केवल पांच लाख स्वयं सहायता समूह बनाए गए, जो 52 लाख परिवारों को कवर करते थे जबकि 2014 से अतिरिक्त 20 लाख स्वयं सहायता समूह बनाए गए, जिन्होंने 2.25 करोड़ परिवारों को कवर किया।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बातचीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य संकल्प, सामूहिक प्रयास तथा उद्यमिता का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि महिलाएं उद्यम कर रही है, उनके पास कठिन परिस्थितियों में आत्मनिर्भर बनने की असीमित अंतर्निहित शक्ति है और उन्हें कार्य प्रदर्शन का सिर्फ मौका मिलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के योगदान के बिना अनेक क्षेत्र विशेषकर कृषि तथा डेयरी की कल्पना करना असंभव है। यह पूरे देश में महिला सशक्तिकरण की सच्ची भावना है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने संवाद के दौरान कहा कि दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सभी राज्यों में शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य 2.5 लाख ग्राम पंचायतों के करोड़ों गरीब परिवारों तक पहुंचना और उन्हें सतत आजीविका को अवसर प्रदान करना है। उन्होंने योजना के सफल क्रियान्वयन में सभी राज्यों तथा अधिकारियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देशभर में स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा अवसर प्रदान कर रही है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से 33 लाख से अधिक महिला किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। अभी ग्रामीण भारत में लगभग 5 करोड़ महिलाओं की भागीदारी के साथ 45 लाख स्वयं सहायता समूह है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दीनदयाल अन्त्योदय के माध्यम से ग्रामीण युवा के कौशल विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बेहतर जीवन के लिए युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से रोजगार और स्व रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 600 ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से लगभग 28 लाख युवा प्रशिक्षित किए गए है और लगगभ 19 लाख युवा को रोजगार मिला है।

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करते हुए सदस्यों ने अपने अनुभवों तथा स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानियों को साझा किया। प्रधानमंत्री ने इस बात की सराहना की कि किस तरह आत्मविश्वास और मजबूती के साथ गरीब महिलाओं ने सभी विपरीत परिस्थितियों से लड़ा है। महिला लाभार्थियों ने बताया कि किस तरह स्वयं सहायता समूहों ने उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। प्रधानमंत्री ने लाभार्थियों ने कहा कि वे अपनी सफलता गाथा फोटो और अपने विचारों के साथ नरेन्द्र मोदी एप के माध्यम से भेजें। ■

'केंद्र सरकार ने पूर्वी भारत में स्थिति बदल दी है'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद से विद्युतीकृत किए गए देशभर के ग्रामों के नागरिकों के साथ 19 जुलाई को वार्तालाप किया। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई इस बातचीत में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना- 'सौभाग्य योजना' के लाभार्थियों को शामिल किया गया।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में विद्युतीकृत 18000 ग्रामों के ग्रामीणों से वार्तालाप के दौरान प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ''जिन लोगों ने अंधेरा नहीं देखा है, वे रोशनी के अर्थ को नहीं समझ सकते हैं, जिन लोगों ने अंधेरे में अपनी जिंदगी नहीं बिताई उन्हें प्रकाश के मूल्य का एहसास नहीं है।"

प्रधानमंत्री ने इस वार्तालाप के दौरान कहा कि एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद से हजारों ग्रामों का विद्युतीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों के विपरीत, वर्तमान सरकार ने हर गांव में विद्युतीकरण के अपने वादे को पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने न केवल विद्युतीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि देशभर की वितरण प्रणाली में भी सुधार किया है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 70 वर्षों के बाद भी इन 18000 गांवों का विद्युतीकरण नहीं किया गया था, जिन्हें एनडीए सरकार ने पिछले चार वर्षों में विद्युतीकृत कर दिया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में मणिपुर के लीसांग गांव का 28 अप्रैल, 2018 को अंतिम गांव के तौर पर विद्युतीकरण किया गया।

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन 18000 ग्रामों का विद्युतीकरण करना थोड़ा मुश्किल था, क्योंकि इनमें से अधिकांश गांव दूर-दराज के इलाकों, पहाड़ी क्षेत्रों और खराब संपर्क वाले क्षेत्रों में थे। उन्होंने कहा कि सभी कठिनाइयों के बावजूद लोगों की एक समर्पित टीम ने हर गांव में विद्युतीकरण का सपना साकार करने को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

श्री मोदी ने कहा पिछली सरकारों ने देश के पूर्वी क्षेत्र के विकास पर कोई खास ध्यान नहीं दिया था। ये क्षेत्र विकास और विभिन्न सुविधाओं से वंचित रहा। यह इस बात से समझा जा सकता है कि देश के 18000 से अधिक गांव जहां बिजली नहीं पहुंची थी, उनमें से 14,582 गांव ऐसे थे जो हमारे पूर्वी क्षेत्र में थे और उनमें भी यानी 14,582 गांव में से 5790 गांव पूर्वोत्तर भारत के थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पूर्वी भारत में स्थिति बदल दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूर्वी भारत के विकास और इसके पूर्ण विद्युतीकरण को प्राथमिकता दीं और अब भारत का पूर्वी क्षेत्र भारत की विकास यात्रा में भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना देश के हर घर में विद्युतीकरण के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है और अब तक इस योजना के माध्यम से 86 लाख से अधिक परिवारों को विद्युतीकृत किया जा चुका है। योजना मिशन मोड पर है और यह चार करोड़ परिवारों के लिए बिजली कनेक्शन सुनिश्चित करेगी।

प्रधानमंत्री के साथ वार्तालाप करते हुए दूर-दराज के गांवों के लाभार्थियों ने बताया कि बिजली ने हमेशा के लिए उनके जीवन को बदल दिया है। सूर्यास्त से पहले अपना कार्य पूर्ण करने वाले लोगों और लालटेन के माध्यम से अध्ययन के लिए मजबूर बच्चों के जीवन को विद्युतीकरण ने बहुत आसान बना दिया है। अधिकांश लाभार्थियों ने कहा कि उनके जीवन स्तर में काफी सुधार आया है। इन लाभार्थियों ने अपने घरों में बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया। ■

देश में दस स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर बनाए जाएंगे

प्रधानमंत्री कार्यालय, पूर्वोत्तर क्षेत्र, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह द्वारा 19 जुलाई को राज्य सभा में दिए किये एक लिखित उत्तर के अनुसार सरकार ने देश में दस स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर लगाने के लिए शासकीय और वित्तीय मंजूरी जून, 2017 में दी गयी थी। इन रिएक्टरों में से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावॉट है। स्वदेशी तकनीकी से निर्मित ये रिएक्टर भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) की ओर से लगाए जाएंगे। एनपीसीआईएल भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाला सार्वजनिक उपक्रम है, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत काम करता है।

इन रिएक्टरों का निम्नलिखित स्थानों पर बनाया जाना प्रस्तावित है:

स्थान और राज्य	परियोजना	क्षमता (मेगावॉट)
चुटका (मध्य प्रदेश)	चुटका एक और दो	2 X 700
कैगा (कर्नाटक)	कैगा – पांच और छह	2 X 700
माही बांसवाड़ा (राजस्थान)	माही बांसवाड़ा – एक और दो	2 X 700
गोरखपुर (हरियाणा)	जीएचएवीपी- तीन और चार	2 X 700
माही बांसवाड़ा (राजस्थान)	माही बांसवाड़ा – तीन और चार	2 X 700

परियोजना की पूर्व तैयारियों के तहत उपरोक्त स्थानों पर भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पर्यावरणीय मंजूरी आदि गतिविधियां विभिन्न चरणों में हैं। कैगा और गोरखपुर में रिएक्टर के लिए जमीन उपलब्ध है, जबकि चुटका और माही बांसवाड़ा में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा होने को है। चुटा एक और दो तथा जीएचएवीपी तीन और चार परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। अन्य स्थानों के लिए पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। इसके अतिरिक्त निर्माण में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों तथा मानव संसाधन नियोजन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम द्वारा निर्माणाधीन 500 मेगावॉट क्षमता वाले प्रोटोटाइप रिएक्टर के जल्द पूरा होने तथा दस नये रिएक्टरों के तैयार हो जाने पर साल 2031 तक देश की कुल परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़कर 22480 मेगावॉट हो जाएगी। ■

पिछले चार वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में 2926 किमी की बढ़ोतरी: नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में पिछले चार वर्षों के दौरान 2926 किमी की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 4193 किमी थी जब अब बढ़कर 7118 किमी हो गई है।

उन्होंने कहा कि लगभग एक लाख करोड़ रुपये के बराबर का निवेश आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए किया जा रहा है। भारतमाला के तहत, 44 हजार करोड़ रुपये के बराबर की लगभग 2,520 किमी सड़कों की परिकल्पना की गई है।

श्री नितिन गडकरी 13 जुलाई को विशाखापट्नम में एक समारोह में 6688 करोड़ रुपये के बराबर की राष्ट्रीय राजमार्गों एवं बंदरगाह संपर्क परियोजनाओं का शिलान्यास करने एवं उद्घाटन करने एवं 1000 करोड़ रुपये के बराबर की बंदरगाह परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

जिन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, उनमें चार लेन का क्षमता संबर्धन, 439 करोड़ रुपये की लागत से इच्छापुरम से नरसानापेट के राष्ट्रीय राजमार्ग 16 के 13.45 किमी लंबाई के खंड एवं 2013 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग 16 के आनंदपुरम-पेंदुरथी-अनाकपल्ली खंड की छह लेनिंग करना आदि शामिल है।

इन परियोजनाओं से चेन्नई एवं कोलकाता के बीच संपर्क में बढ़ोतरी होगी, दोनों शहरों के बीच यात्रा में कम समय लगेगा तथा विशाखापट्नम में ट्रैफिक की भीड़भाड़ कम होगी। श्री गडकरी ने कहा कि मछली पालन आंध्र प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्य में मछली पकड़ने के बंदरगाहों एवं मछली प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग केंद्रों के विकास के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। ■

सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण जरूरी: रामलाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रशिक्षण विभाग ने देशभर के पदाधिकारियों को आगामी आम चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए कहा। आने वाले दिनों में प्रशिक्षण का भी केंद्रबिंदु 2019 के चुनाव होंगे। यह बात भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री मुरलीधर राव ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण बैठक में देशभर से आये वरिष्ठ पदाधिकारिओं को संबोधित करते हुए कही। श्री मुरलीधर राव ने प्रदेश प्रशिक्षण संयोजक व सह-संयोजक की दिनभर चली बैठक में कहा कि प्रशिक्षण के दायित्ववान पदाधिकारी स्वयं को चुनाव से अलग न समझे। हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि आगामी चुनौतियों के लिए कमर कस कर तैयार रहें।

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित दिनभर चलने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी प्रदेशों के प्रशिक्षण संयोजकों के अतिरिक्त राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल भी उपस्थित थे। उनके अतिरिक्त राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री श्री वी सतीश, प्रशिक्षण राष्ट्रीय संयोजक श्री महेश चंद्र शर्मा, सह-संयोजक श्री सुनील पांडेय, राष्ट्रीय प्रशिक्षण के वरिष्ठ सदस्य डॉ. आर. बालाशंकर, श्री पंचानन राउत, डॉ.शिव शक्ति बक्सी तथा श्री हेमंत गोस्वामी जी भी थे।

श्री मुरलीधर जी ने द्वितीय व तृतीया चरण के अंतर्गत पंचायती राज, शहरी निकाय, सहकारिता, विधायक, विभाग एवं प्रकल्प, सभी मोर्चा, बुनकर, मछवारा इत्यादि के प्रशिक्षण के योजना की जानकारी दी। केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार तथा कई प्रदेशों में भाजपा के नेतृत्व में चलने वाली सरकारों के द्वारा किसान एवं गरीब कल्याण क्षेत्र में, सुशासन के दृष्टि से, शहरी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने हेतु तथा देश के आधारभूत ढांचे के विकास में जो असाधारण कार्य किये गए हैं उन सभी बातों को प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करते हुए जनता तक पहुंचाने के विशेष लक्ष्य को आने वाले महीनों में प्राप्त करना है।

प्रशिक्षण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक महेश चंद्र शर्मा ने सभी प्रदेशों के संयोजकों से प्रशिक्षण कार्य की प्रगति व भावी कार्य योजना के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रीय सह-संयोजक श्री सुनील पांडेय ने प्रशिक्षण के द्वितीय व तृतीय चरण की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने विशेष रूप से भाजपा के विभिन्न मोर्चों के प्रशिक्षण की तैयारियों व कुछ सफल राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों का उल्लेख किया।

बैठक का समापन भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल के उद्बोधन से हुआ। श्री रामलाल ने अत्यंत सामान्य उदाहरणों के माध्यम से प्रदेश संयोजकों को प्रशिक्षण के गुर सिखाएं। उन्होंने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि एक राजनैतिक दल में प्रशिक्षण का काम अत्यंत महत्व का हैं। पार्टी ठीक से चलती रहे और संगठन का आंतरिक स्वास्थ ठीक रहे इसके लिए प्रशिक्षण विभाग को अपने दायित्व को गंभीरता से लेना होगा।

बैठक का संचालन श्री हेमंत गोस्वामी ने किया और अंत में उन्होंने श्री रामलाल सहित सभी उपस्थित पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में संपन्न 'वाई4डी न्यू इंडिया कॉनक्लेव' को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति श्री मून जेई.इन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मिदनापुर की विशाल जन सभा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते पश्चिम बंगाल भाजपा नेतागण

मिर्जापुर में विभिन्न विकास योजनाओं को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाइक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य

शाहजहांपुर की 'किसान कल्याण रैली' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 'हल' भेंट करते उत्तर प्रदेश भाजपा नेतागण

नोएडा में सैमसंग की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति श्री मून जेई.इन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20